BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिला में 02 से 30 सितम्बर तक ... 3 www. bordernewsmirror.com ऐश्वर्या ने हैप्पी न्यू ईयर ... 8

हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों में होगा बदलाव !

● चुनाव आयोग जल्द कर सकता है ऐलान, बीजेपी और इनेलो ने लिखी थी चिट्ठी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक इन तारीखों में बदलाव हो सकता है। चुनाव आयोग बहुत जल्द इसके बारे में फैसला ले सकता है। गौरतलब है कि अभी तक की घोषणा के मुताबिक हरियाणा में एक अक्टूबर को वोटिंग और 4 अक्टूबर को वोटिंग होगी।

सभी 90 सीटों पर एक ही दिन वोट डाले जाएंगे। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को चिट्ठी भी लिखी थी। इस चिट्ठी में भाजपा ने आयोग से गुहार लगाई थी कि हरियाणा में चुनाव की तारीख आगे बढ़ाई जाए। बताया जा रहा है कि चुनाव आयोग इसको लेकर विचार कर रहा है। मंगलवार तक इसके बारे में घोषणा की जा सकती है।

देश भर में आज मनेगी जन्माष्टमी, जबरदस्त तैयारी

● नंद के नंदन के जन्मोत्सव के लिए सज गए हैं मंदिर ● द्वापर युग जैसा बन रहा दुर्लभ संयोग, रहेगी बड़ी धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार कल सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। मथुरा-वृंदावन से लेकर पूरे देश में कन्हैया के जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिरों को बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया है। वैदिक पंचांग के अनुसार हर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भादो मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पड़ती है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव होता है। वहीं दिन भर भक्त भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं, रात्रि के समय भगवान को स्नान आदि करा 56 भोग का प्रसाद लगाया जाता है। वहीं इस दिन श्री कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल के रूप में उनकी मूर्ति का पूजन करना शुभ होता है। इस बार जन्माष्टमी पर बहुत ही शुभ योग बन रहे हैं। जैसे योग भगवान कृष्ण के जन्म के समय बने थे वैसे ही योग इस बार

भी बन रहे हैं। बता दें कि इस बार कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त सोमवार के दिन मनाया जाएगा। जन्माष्टमी भाद्रमास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है और यह तिथि इस बार 26 अगस्त को है। इसके अलावा 27 अगस्त को भगवान कृष्ण के जन्म की खुशी में जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जन्माष्टमी पर हिंदू परिवार के अधिकांश घरों में कान्हाजी के जन्म की खुशियां मनाई जाती हैं। जन्माष्टमी का व्रत कैसे करें और इस दिन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इसको लेकर शास्त्रों और पुराणों में कुछ नियम बताए गए हैं। जन्माष्टमी व्रत के नियमों को मानने की शुरुआत सप्तमी तिथि से ही हो जाती है। सप्तमी तिथि से ही व्रतियों को ब्रह्मचर्य का पालन शुरू कर देना चाहिए और सात्विक आहार ग्रहण करना चाहिए। इसके बाद अगले दिन जन्माष्टमी पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए और नियमों का पालन करना चाहिए। जन्माष्टमी का व्रत आप चाहें तो फलाहार और जलाहार करके रख सकते हैं लेकिन सूर्यास्त से लेकर अर्ध रात्रि तक भगपान के जन्म की बेला तक व्रतियों को निराहार रहना चाहिए। शाम को भगवान कृष्ण की पूजा करने से पहले एक बार स्नान जरूर कर लेना चाहिए।

उफान पर नदियां: पानी-पानी हुए गांव और शहर

● झमाझम बारिश से बेहाल हुआ आधा भारत, जीना हुआ मुहाल ● एमपी में दिखा नर्मदा और क्षिप्रा का रौद्र रूप, घाट व मंदिर डूबे

● हिमाचल में 73 सड़कें बंद, लोगों का आना-जाना हुआ मुश्किल ● यूपी के बलिया में पीपा पुल बहा, दो लोगों की डूबने से हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 21 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। प्रदेश की दो प्रमुख नदियां (नर्मदा और क्षिप्रा) उफान पर हैं। उज्जैन में कई घाट और मंदिर क्षिप्रा नदी में डूब गए हैं। हिमाचल प्रदेश के बारिश के चलते 73 सड़कें बंद कर दी गईं। इनमें से 35 शिमला में, 20 मंडी में, 9 कांगड़ा में, 6 कुल्लू में, 2 किन्नौर में और 1 ऊना जिले में बंद हैं। इधर, यूपी के बलिया में सरयू नदी में पीपा पुल बह गया। लखीमपुर खीरी में नाले में 2 युवक डूब गए। इसमें से एक की मौत हो गई। आज राजस्थान के 4 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। केंद्र ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 27 जून को मानसून सीजन की शुरुआत से लेकर शुक्रवार तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 140 लोगों की जान गई है और राज्य को लगभग 1,212 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बिहार के भागलपुर में जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर इंस्पेक्शन के दौरान गंगा में बह गए। हालांकि उन्होंने लाइव जैकेट पहन रखी थी, इसलिए वे डूबे नहीं। उनके साथ एनडीआरएफ टीम भी थी। नदी में रस्सी फेंककर उन्हें बोट पर वापस लाया गया। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को बताया कि भारी बारिश के चलते राज्य में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है और दो लोग लापता हैं। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त से जिस तरह की बारिश हो रही है, वैसी मूसलाधार बारिश पहले कभी नहीं देखी है। त्रिपुरा के सभी 8 जिलों पर इसका असर पड़ा है।

कई जगहों का संपर्क टूट गया है। मध्यप्रदेश में भारी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। नदियां उफान पर हैं, डैम भी ओवरफ्लो हो चुके हैं। शनिवार को प्रदेश के 21 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। भोपाल में रातभर से तेज बारिश हो रही है। रविवार को मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में मानसून स्ट्रॉन्ग रहेगा। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के प्रभाव से राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश शुरू हो गई है।

हिंदू बांग्लादेश में रहकर लड़ रहे, मुसलमान भारत में घुसपैठ कर रहे

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि पड़ोसी बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता के बावजूद वहां के हिंदुओं ने भारत में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की है। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हिंदू बांग्लादेश में रह रहे हैं और लड़ रहे हैं। पिछले एक महीने में, एक भी हिंदू को भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते नहीं पकड़ा गया है।''उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देश के मुसलमान भारत के कपड़ा क्षेत्र में रोजगार तलाशने के लिए घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''पिछले एक महीने में 35 मुस्लिम घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है... वे प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जो लोग आ रहे हैं वे असम के लिए नहीं, बल्कि कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए बेंगलुरु, तमिलनाडु, कोयंबटूर जाने के लिए आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने पीएम से हिंदुओं की सुरक्षा करने के लिए कहा है।

मिल गया सोने का भंडार राजस्थान होगा मालामाल !

स्वर्ण भंडार वाला देश का चौथा राज्य बना राजस्थान

तीन ब्लॉक के खनन की नीलामी पूरी, एक की जांच

कोटा (एजेंसी)। वीरों की जननी रही राजस्थान की धरती अब सोना उगलेगी। बीजेपी विधायक संदीप शर्मा के अतारांकित सवाल के जवाब में राज्य सरकार ने बताया कि प्रदेश के 4 स्थानों पर स्वर्ण धातु के भंडार पाए गए हैं। इनमें से 3 ब्लॉक की खनन के लिए नीलामी पूरी हो चुकी है। वहीं एक ब्लॉक में परमाणु खनिज की सम्भावना होने से परमाणु खनिज निदेशालय की ओर से अन्वेषण किया जा रहा है। राजस्थान देश का चौथा स्वर्ण भण्डार वाला राज्य बन गया है। देश के 25 फीसदी सोने की आपूर्ति यहां से होने का अनुमान है। विधायक संदीप शर्मा ने आरोप लगाया है कि साल 2018 में स्वर्ण भण्डार की प्रारम्भिक खोज के बाद कांग्रेस शासन में इस दिशा में कोई काम नहीं किया गया। वहीं भाजपा शासन आने के बाद इस दिशा में त्वरित प्रयास किए गए।

रेकॉर्ड समय में नीलामी प्रक्रिया पूरी कर ली गई। इससे न केवल अगले 50 सालों में 1 लाख करोड़ की आय होने का अनुमान है। साथ ही प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से 50 हजार युवाओं को रोजगार मिलने के रास्ते खुले हैं। भाजपा विधायक संदीप शर्मा के सवाल के जवाब में सरकार ने बड़ी जानकारी दी है।

कंगना के किसान आंदोलन पर बयान से पंजाब में बवाल

● पूर्व मंत्री बोले-बीजेपी सांसद पर एनएसए लगा डिब्रूगढ़ जेल भेजो

अमृतसर (एजेंसी)। भाजपा सांसद व बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट के किसान आंदोलन को दिए विवादित बयान पर पंजाब में बवाल बच गया है। पंजाब कांग्रेस के पूर्व मंत्री राजकुमार वेरका ने कंगना रनोट पर राष्ट्रीय सुरक्षा एक्ट (एनएसए) लगा असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजने की मांग की है। कंगना के इंटरव्यू के बाद पूर्व मंत्री ने वीडियो जारी किया। जिसमें उन्होंने कहा-कंगना रनोट रोज पंजाब के नेताओं के खिलाफ जहर उगलती है। आज कंगना रनोट ने कहा, किसान खालिस्तानी हैं। देश के किसानों को गाली निकाली है। उसने कहा कि किसान आंदोलन के बीच मर्डर हुए, रेप हुए। वेरका ने आगे कहा-कंगना रनोट वह किसी की शह पर बोल रही है। बीजेपी इसके लिए सफाई दे। वे भाजपा की चुनी गई एमपी है। वे कोई आम आर्टिस्ट नहीं है, वे एक एमपी है। भाजपा को सफाई देनी चाहिए। वेरका ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग की है कि इसके खिलाफ इन्क्वायरी करके एफआईआर दर्ज की जाए।

महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को मिले कड़ी सजा

● महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार पर बोले पीएम मोदी ● कहा-दोषी कोई भी हो, बचना नहीं चाहिए, सबका हिसाब होगा

जलगांव (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में रविवार को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया। पीएम मोदी ने कहा, आज मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से कहूंगा और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है। दोषी कोई भी हो, वो बचना नहीं चाहिए। उसको किसी भी रूप में मदद करने वाले बचने नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल हो, स्कूल हो, दफ्तर हो या फिर पुलिस व्यवस्था... जिस भी स्तर पर लापरवाही होती है सबका हिसाब होना चाहिए। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए हमारी सरकार कानूनों को भी

लगातार सख्त कर रही है। पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार, बेटियों के लिए हर सेक्टर खोल रही है, जहां कभी उन पर पाबंदियां थीं। आज तीनों सेनाओं में महिला अफसर तैनात हो रही हैं, फाइटर पायलट तैनात हो रही हैं। गांव में कृषि और डेयरी सेक्टर से लेकर... स्टार्ट अप्स क्रांति तक बेटियां बिजनेस कर रही हैं।

10 साल में 1 करोड़ लखपति दीदी बनीं

लखपति दीदी महासम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान जब मैं आपके पास आया था, तो मैंने वादा किया कि हमें 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है। इसका मतलब है कि जो महिलाएं स्वयं सहायता समूहों में काम करती हैं और उनकी सालाना आय 1 लाख रुपये से अधिक है। पिछले 10 साल में 1 करोड़ लखपति दीदी बनीं और सिर्फ दो महीने में 11 लाख और लखपति दीदी एक करोड़ बन गईं। उन्होंने कहा कि आज यहां लखपति दीदी का महासम्मेलन हो रहा है। मेरी बहनें यहां बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। आज यहां से देशभर के लाखों सखी मंडलों के लिए 6 हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है। मेरी सभी माताओं-बहनों को बहुत-बहुत शुभेच्छा। नरेंद्र मोदी ने कहा, लखपति दीदी बनाने का ये अभियान, सिर्फ बहनों-बेटियों की कमाई बढ़ाने का ही अभियान नहीं है। ये पूरे परिवार को, आने वाली पीढ़ियों को सशक्त कर रही हैं।

यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न

● मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-पीएम के अहंकार पर जनता हावी

● लेटरल एंट्री-ब्रॉडकास्ट बिल के बाद अब पेंशन स्कीम पर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के नई पेंशन स्कीम के बाद यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लाने के फैसले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है। खड़गे ने एक्स पर कहा- 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जनता की शक्ति पीएम के सत्ता के अहंकार पर हावी हुई है। सरकार ने पहले बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन/इंडेक्सेशन का फैसला वापस लिया। इसके बाद ब्रॉडकास्टिंग बिल, यूपीएससी के उच्च पदों पर लेटरल एंट्री का फैसला भी वापस लिया। हम सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करते रहेंगे। 140 करोड़ भारतीयों को इस सरकार से बचाते रहेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार शनिवार को

न्यू पेंशन स्कीम की जगह यूनिफाइड पेंशन स्कीम लेकर आई। स्कीम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा होगा। शिवसेना उद्धव गुट के नेता आनंद दुबे ने कहा- विपक्ष के दबाव के कारण सरकार ने यूपीएस को अप्रूव किया है। इस बार भाजपा सिर्फ 240 सीटें जीती हैं। इसलिए उन्होंने सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों के लिए स्कीम लाई है। एएपी नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा- भाजपा को अब होश आया है। भाजपा अब अग्निवीर योजना जैसे अपने अन्य फैसले भी जल्द ही वापस लेगी।

विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को बड़ा झटका

● बीजेपी में शामिल हुए 5 एएपी पार्षद, मुश्किल में फंसी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सियासी पारा विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही तेजी से चढ़ रहा है। पिछले लगभग 5 महीनों से जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की गैरमौजूदगी में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी मुसीबतों का सामना कर रही है। वहीं आज आम आदमी पार्टी को उसके ही 5 पार्षदों ने झटका देते हुए बीजेपी से हाथ मिला लिया और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ले ली है। आप की 'झाड़ू' छोड़कर बीजेपी का 'कमल' थामने वाले पांचों ही पार्षदों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली है।

संजय रॉय का काल बनेंगे सीबीआई के 'नौ हथियार'

कोलकाता केस में आरोपी के खिलाफ हाथ लगा अहम सबूत

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या केस में सीबीआई की जांच चल रही है। फिलहाल मुख्य आरोपी समेत छह अन्य का पॉलीग्राफी टेस्ट हो चुका है। इस केस में कोलकाता पुलिस ने 53 आइटम्स सीज किए हैं। इनमें नौ ऐसे आइटम्स हैं जो मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ बेहद अहम हथियार साबित होंगे। इनमें संजय रॉय के कपड़े, अंडरगारमेंट्स और क्राइम के वक्त पहनी हुई सैंडल्स जैसी चीजें शामिल हैं। इसके अलावा फोन टॉवर की लोकेशन भी बेहद अहम भूमिका निभा सकती है। इसके मुताबिक नौ अगस्त को घटना के वक्त संजय रॉय आरजी कर अस्पताल

के सेमीनार हॉल में मौजूद था। संजय रॉय की बाइक और उसका हेलमेट भी बतौर एविडेंस रखा गया है। सीबीआई सूत्रों ने रविवार को बताया कि एक हफ्ते के अंदर फोरेंसिक रिपोर्ट्स आ सकती हैं। इस केस में यह रिपोर्ट्स बहुत अहम भूमिका निभाने वाली हैं। नौ अगस्त को स्टेट फोरेंसिक साइंस लाइब्रेरी ने क्राइम सीन से रात 8.30 और 10.45 के बीच कुल 40 महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठे किए। स्थानीय गवाहों की मौजूदगी में इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई। इस दौरान कई डॉक्टर्स भी मौजूद रहे। संजय रॉय की मोबाइल से निकाला गया डाटा भी डिजिटल एविडेंस के तौर पर मौजूद है।

अमेरिकी कंपनी के नाम पर साइबर फ्रॉड: बिहार के 300 लोगों से 40 लाख की ठगी

ऑनलाइन ऐप डाउनलोड करने का देते थे टास्क

पटना, एजेंसी। भारत में साइबर फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़े हैं। अमेरिकी कंपनी जीएमआर मार्केटिंग के नाम पर बिहार में भी 300 लोगों से 40 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। पटना के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के रहने वाले भूषण कुमार इसके शिकार हुए हैं। ठगी का शिकार हुए भूषण कुमार ने 15 लोगों के साथ मिलकर साइबर थाने में मामला दर्ज कराया है। भूषण कुमार के बताया, पुलिस ने सभी लोगों से कब, कैसे और कितना पैसा लिया गया है, इसकी डिटेल मांगी है।

पीड़ित ने समझाया पूरा प्रोसेस

भूषण कुमार ने बताया, मुझे एक परिचित से इसके बारे में जानकारी मिली थी। हाजीपुर में कुछ लोगों ने ट्रेनिंग दी थी। वहां बताया कि कैसे पैसा लगाना है और किस तरह से टास्क पूरा करना है। उन्होंने बताया, एक सप्ताह काम करने के बाद एक साथ पैसा मिलता था। मैने शुरू में 3 सप्ताह तक इन्वेस्ट किया और मुनाफा भी कमाया। धीरे-धीरे और भी लोगों को बताया। देखते ही देखते 300 लोगों ने पैसा लगा दिया।

ऐप डाउनलोड का देते थे टास्क

भूषण कुमार ने बताया, शातिरों ने एक वेबसाइट बनाया था। जिसकी मदद से दिनभर में अलग-अलग ऐप डाउनलोड करना होता था। फिर इसकी सूचना उनको देनी होती थी। मैंने 15 हजार 800 सिक्योरिटी मनी जमा की थी। मुझे हर रोज 15 टास्क पूरा करना होता था। इसके एवज में कंपनी ने 540 रुपए प्रतिदिन देने की बात कही थी। सप्ताह में एक दिन पूरी रकम मिलती थी। सोमवार से शुक्रवार तक टास्क पूरा करते थे। जो रकम रोजाना मिलता था, उसे ग्रोथ फंड में जमा करते चले गए, लेकिन पैसा नहीं निकला।

ऐप में दिखता था बढ़ा हुआ पैसा

भूषण कुमार ने बताया, साइबर अपराधियों ने जो वेबसाइट बनाया था। उसमें एक ऑप्शन था, नो योर इनकम अमाउंट। यह ऑप्शन रोजाना इनकम अपडेट होता था। कंपनी ने लालच बढ़ाने के लिए सभी को शुरुआती दौर में पैसा दिया। जब ज्यादा लोगों ने पैसा लगा दिया, तब कंपनी के लोग गायब हो गए।

कैसे खुली पोल

कंपनी से लोगों ने पैसा निकालना चाहा, तब हकीकत सामने आई। काफी कोशिश करने के बाद पैसा नहीं निकला। पूछने पर कर्मियों ने बताया कि कंपनी का सालगिरह मनाया जा रहा है। इसलिए पैसा एक सप्ताह तक नहीं निकाल सकता है। 3 सप्ताह बीत जाने के बाद जब पैसा नहीं निकला तो हमलोग परेशान हो गए। कंपनी की ओर से फिर कहा गया कि जितना पैसा आप लोगों का बनता है, उस हिसाब से टैक्स जमा कर दीजिए। इसके बाद आपका पेमेंट होगा। इसपर हमलोगों को शक हुआ। लालच में आकर कुछ लोगों ने पैसा भेज दिया, लेकिन उनका पेमेंट नहीं आया। जिसके बाद हमलोगों ने शिकायत करने का निर्णय लिया।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

साइबर थाना के थानाध्यक्ष राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि कुल 300 लोगों का पैसा फंसा है। कंपनी के बने वेबसाइट और वॉट्सऐप ग्रुप की जांच की जा रही है। पुलिस ने सभी लोगों से पैसा भेजने का डिटेल मांगा है। अमेरिका के नाम पर फर्जी कंपनी बनाकर फ्रॉड किया गया है। यूआरएलकी भी जांच की जा रही है, ताकि पता चल सके कि वेबसाइट कहां से बनाया गया है और किसने बनाया है।

303 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, वाहन जांच के दौरान धराए

अररिया, एजेंसी। अररिया फारबिसगंज मार्ग में पोठिया स्थित पेट्रोल पंप के पास से शनिवार की रात उत्पाद विभाग की टीम ने एक वैन से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि तस्करों ने शराब को वैन में लोहे के चादर के पीछे तहखाना बना कर छुपा रखा था। जिससे देखने से वैन खाली प्रतीत हो रहा था। पकड़े गए शराब तस्करों से पूछताछ की जा रही है। इस छापेमारी में 816 बोतल अंग्रेजी शराब कुल 303 लीटर बरामद किया है। जिसमें 750 एम एल की 16 पैटी, 375 एम एल की 10 पैटी, और 180 एम एल की 8 पैटी शराब बरामद की गई है।

पोठिया पेट्रोल पंप के पास की छापेमारी : उत्पादन अधीक्षक निरंजन कुमार झा ने बताया कि अररिया फारबिसगंज मार्ग से शराब तस्करी किए जाने की अचानक से गुप्त सूचना मिली। जिसके बाद टीम का गठन कर वाहनों की तलाशी शुरू की गई। सूचना के आधार पर वाइट कलर की मैजिक वैन मौके पर पहुंची। वाहनों की चेकिंग होती देख उस वैन पर सवार शराब तस्कर वाहन को तेज गति से लेकर भागते चले गए। कई किलोमीटर पीछा करने के बाद पोठिया स्थित पेट्रोल पंप के पास उत्पादन विभाग की टीम ने उन्हें दबोच लिया।

पुलिस पर हमला करने वाला बदमाश गिरफ्तार, एक साल से हो रही थी तलाश

अपराधियों की टॉप-10 सूची में है शामिल

नालंदा, एजेंसी। नालन्दा पुलिस ने सरमेरा थाना क्षेत्र में टॉप-10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी पिछले साल हुई एक हिंसक घटना के मामले में हुई है। प्रशिक्षु डीएसपी मो.अजहरुद्दीन ने बताया कि 5 सितंबर 2023 को सरमेरा थाना अंतर्गत पैंठी गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई थी। इस घटना में पुलिस पर भी हमला किया गया था। घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए गए थे। मामले में 9 नामजद अभियुक्तों सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सरमेरा-मोकामा रोड के पैंठी मोड़ के पास से श्रवण महतो उर्फ मुखी महतो (42 वर्ष) को गिरफ्तार किया।

कई आपराधिक मामले दर्ज है

श्रवण महतो पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ सरमेरा थाना में दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या का प्रयास, दंगा और एससी-एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराएं शामिल हैं। इस गिरफ्तारी में सरमेरा थाना के एसएचओ सह प्रशिक्षु डीएसपी मो. अजहरुद्दीन के नेतृत्व में एक विशेष टीम शामिल थी। टीम में एसआई विकाश कुमार यादव, एएसआई रितु रंजन और एएसआई विक्रम कुमार शामिल थे।

वैगनआर से आए चोर स्कॉर्पियो चोरी कर ले गए, आसपास के सीसीटीवी की हो रही जांच

पुलिस इंस्पेक्टर की कार घर के बाहर खड़ी थी

गया, एजेंसी। गया शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के धनिया बगीचा के रहने वाले पुलिस इंस्पेक्टर की स्कॉर्पियो बीती रात चोरी हो गई थी। स्कॉर्पियो इंस्पेक्टर के घर के बाहर खड़ी थी। घर वालों के मुताबिक चोरों ने घटना को रात दो बजे के बाद अंजाम दिया है। स्कॉर्पियो के मालिक विनोद कुमार झारखण्ड पुलिस में कोडरमा में पोस्टेड हैं। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में चोर स्कॉर्पियो ले जाते हुए दिख रहे हैं। चोर वैगनआर से आए थे और स्कॉर्पियो चुरा ले गए।

डेल्हा थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज : इंस्पेक्टर विनोद कुमार की पत्नी रंजीता कुमारी ने डेल्हा थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। डेल्हा पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आसपास के कई जगहों से सीसीटीवी फुटेज लिया गया है। उन फुटेज के माध्यम से चोरों की तलाश की जा रही है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार का भांजा विशाल आनंद ने बताया की बीती देर रात स्कॉर्पियो घर के बाहर ही खड़ी थी। सुबह जब घर के लोग बाहर निकले तो देखा स्कॉर्पियो नहीं थी। मन में चोरी की आशंका होने पर जब आसपास के घरों व दुकानों के सीसीटीवी की छानबीन की तो पता चला की रात करीब 2:00 बजे गाड़ी चोरी हो गई। मामा झारखंड के कोडरमा जिले में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं और उनकी गाड़ी गया में ही घर के बाहर लगी रहती थी।

बांग्लादेश के हिन्दुओं की चीत्कार नहीं सुन पा रहे राहुल, तेजस्वी, ममता और केजरीवाल : विजय सिन्हा

गया, एजेंसी। बिहार के उप मुख्यमंत्री औ बीजेपी के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद प्रमुख लालू के बेटे तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। शनिवार को गया विष्णुपद मंदिर पहुंचे विजय सिन्हा ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरिवाल को भी लपेटा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की घटना पर सभी चुप हैं। विष्णुचरण की पूजा-अर्चना के बाद वे मीडिया से मुखातिब हुए और विपक्षी नेताओं पर जमकर बरसे। बिहार की कानून व्यवस्था पर तेजस्वी यादव के सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बहुत अच्छे से चल रही है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि ये लोग तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ भारी अत्याचार

हो रहा है। उनके साथ न सिर्फ हिंसा हो रही है बल्कि उनकी संपत्ति लूटी जा रही है। हिंदुओं का अस्तित्व वहां खतरे में है। पहले से ही हिंदू वहां अल्पसंख्यक हैं उपर से यह अत्याचार। लेकिन हिंदुओं की मां-बहन की चीत्कार इन लोगों को सुनाई नहीं पड़ी। विजय सिन्हा ने कहा कि उपद्रवियों द्वारा उनके घरों में आग लगायी गई, दुकानें लूटी गईं और पूरी तरह से हिंदू ठिकानों को जला दिया गया। लेकिन ये सब इन लोगों को दिखाई नहीं पड़ी। धिक्कार है ऐसे लोगों का। तुष्टिकरण की राजनीति में इन लोगों ने आंखें मूंद ली है। तेजस्वी यादव को झूठा आरोप लगाने से काम नहीं चलेगा। खामी है तो सरकार को बताएं। सजग करें। वे नेता प्रतिपक्ष हैं, संवैधानिक पद पर हैं। वे अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें। सच्चाई और खामी से सरकार को अवगत कराएं। लेकिन, तेजस्वी दिल्ली, सिंगापुर तो कभी पटना से बैठकर ट्विट करते हैं। सरकार तैयारी कर रही है। ट्विट से सरकार नहीं चलती। लॉ एंड आर्डर में लापरवाही व निष्क्रिता की समीक्षा मुख्यमंत्री कर रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि सूबे में चढ़ावा लेकर ट्रांसफर-पोस्टिंग के सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे प्रमाणित करें। जो चढ़ावा लेकर ट्रांसफर-पोस्टिंग करते हैं इसे प्रमाणित करें। आरोप लगाने से काम नही चलेगा।

ब्रह्मर्षि बुद्धिजीवी संघ ने डिप्टी सीएम को किया सम्मानित

ब्रह्मर्षि बुद्धिजीवी संघ की एक बैठक शनिवार को शांति निकेतन एकेडमी परिसर में हुआ। समाजसेवी व भाजपा नेता हरिप्रपन्न ने बैठक की अध्यक्षता की। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा बैठक में शामिल हुए। इस दौरान डॉक्टर, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, पैक्स अध्यक्ष, मुखिया व अन्य मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री को ब्रह्मर्षि बुद्धिजीवी संघ के द्वारा सम्मानित किया गया। इस बैठक में डॉ नवनीत निश्चल, डा. ऋषिकेश कुमार, डॉ क्रांति किशोर, डा. दीनानाथ कुमार, डा. मृत्युंजय कुमार सिंह, डा. शैलेंद्र कुमार, डा. नीरज कुमार सहित कई प्रख्यात चिकित्सक उपस्थित रहे।

रोहिणी नक्षत्र में सोमवार को मनाई जाएगी जन्माष्टमी

सुबह 08:28 बजे से शुरू हो रही अष्टमी तिथि, ग्रह-गोचरों का बन रहा उत्तम संयोग

पटना, एजेंसी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व जन्माष्टमी कल यानी 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन रोहिणी नक्षत्र का योग बन रहा है। रोहिणी नक्षत्र सोमवार की रात 09:19 बजे से शुरू होकर अगले दिन मंगलवार की रात 08:23 बजे तक रहेगा। आचार्य राकेश झा ने बताया कि जन्माष्टमी पर मिथिला पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि सोमवार सुबह 08:28 बजे से शुरू हो रहा है, जो अगले दिन मंगलवार की सुबह 06:41 बजे तक रहेगा। वहीं, साधु-संत 27 अगस्त मंगलवार को कृष्णाष्टमी की व्रत और पूजा करेंगे।

ग्रह-गोचरों का बन रहा उत्तम संयोग

ज्योतिषी झा के अनुसार जन्माष्टमी पर कई शुभ संयोग बन रहे हैं। इसमें जयंती योग, हर्षण योग, बव करण, सोमवार दिन, सर्वार्थ सिद्धि योग के अलावा वृष लग्न के साथ चन्द्रमा वृष राशि के उच्च के रोहिणी नक्षत्र में गोचर करेगा। इस गोचर से गजकेसरी योग और शनि के मूल त्रिकोण राशि कुंभ में गोचर से शश राजयोग बनेगा। जयंती योग में श्रीकृष्ण की आराधना करने का संयोग जन्म-जन्मांतर के पुण्य संचय होने से ही प्राप्त होता है। ऐसे उत्तम संयोग में जन्माष्टमी का व्रत करने और श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाने से श्रद्धालुओं को करोड़ों यज्ञ करने का पुण्य और तीन जन्मों के पाप नष्ट और शत्रुओं का दमन होता है।

जन्माष्टमी पर घर-घर विराजेंगे कान्हा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सनातन धर्मावलंबियों के घरों में विधि-विधान से कान्हा का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। सोमवार की मध्यरात्रि में भगवान के बालस्वरूप में कान्हा, लड्डू गोपाल, शालिग्राम का प्राकट्य कराकर गंगाजल और पंचामृत से स्नान कराकर नए वस्त्र, मोर पंख, बांसुरी, माला, गुलाब, कमल, इत्र, कदम्ब से श्रृंगार कर पंजीरी, मिष्ठान, पंचमेवा, माखन-मिश्री, ऋतुफल का भोग फिर आरती होगी।

श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा से उन्नति

पंडित राकेश झा ने कहा कि भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा और जन्माष्टमी का व्रत करने से श्रद्धालुओं को संतान सुख, वैवाहिक सुख, प्रेम की प्रगाढ़ता, सुख-समृद्धि, शांति, उन्नति, आपसी सद्भावना तथा तीन जन्म के पापों से मुक्ति मिल जाती है। भविष्य पुराण के मुताबिक इस व्रत को करने से अकाल मृत्यु, गर्भपात, वैधव्य, दुर्भाग्य और कलह नहीं होते हैं।

आसमान से बरसी मौत, बिहार में ठनका गिरने से चाचा-भतीजे समेत 3 की गई जान

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले के इमामगंज प्रखंड के गुदिया गांव में शनिवार को ठनका गिरने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई। दोनों बच्चे गांव के पास जानवर चरा रहे थे। इसी दौरान वज्रपात हुआ और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मोहनपुर के भातूचक गांव में भी ठनका गिरने से एक किसान की मौत हो गई। घटना के समय कैलाश चौधरी के पुत्र सतेंद्र चौधरी (32) खेत में हल चला रहे थे। इसी दौरान वज्रपात के शिकार हो गए। गुदिया गांव के रहने वाले मृतक के दादा कैलाश यादव ने बताया कि गांव से सटे चपरी नदी के किनारे भतीजा प्रिंस कुमार (12) पिता अजय यादव और चाचा प्रदीप कुमार (18) पिता जगदेव यादव दोनों जानवर चरा रहा थे। उसी दौरान शाम करीब साढ़े चार बजे हल्की बारिश के साथ बच्चों के ऊपर ठनका गिर गया। जिसमें दोनों बच्चों की मौत हो गई।

बिहार में आसमान से बरसी मौत की आफत, 12 की मौत

बिहार के गया जिले के इमामगंज प्रखंड के गुदिया गांव में शनिवार को ठनका गिरने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई। दोनों बच्चे गांव के पास जानवर चरा रहे थे। इसी दौरान वज्रपात हुआ और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मोहनपुर के भातूचक गांव में भी ठनका गिरने से एक किसान की मौत हो गई। घटना के समय कैलाश चौधरी के पुत्र सतेंद्र चौधरी (32) खेत में हल चला रहे थे। इसी दौरान वज्रपात के शिकार हो गए।

गुदिया गांव के रहने वाले मृतक के दादा कैलाश यादव ने बताया कि गांव से सटे चपरी नदी के किनारे भतीजा प्रिंस कुमार (12) पिता अजय यादव और चाचा प्रदीप कुमार (18) पिता जगदेव यादव दोनों जानवर चरा रहा थे। उसी दौरान शाम करीब साढ़े चार बजे हल्की बारिश के साथ बच्चों के ऊपर ठनका गिर गया। जिसमें दोनों बच्चों की मौत हो गई।

11 जिलों में झमाझम बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी

आपको बता दें मौसम विभाग ने राज्य के 23 जिलों में बारिश की संभावना जताई थी। जिनमें से 11 जिलों में झमाझम बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग की ओर से जारी की गई थी। 23 जिलों के लिए वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में ठनका से होने की वाली मौतें थमन का नाम नहीं ले रही हैं। जुलाई महीने में एक दिन में वज्रपात से 18 लोगों की राज्य में मौत हुई थी।

आरजेडी विधायक रीतलाल के भाई ने चलवाई थी एम्स के सुरक्षा अधिकारी पर गोली

पटना , एजेंसी। पटना एम्स के सुरक्षा अधिकारी पर गोली चलाने के दो आरोपितों को खगौल थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गये दोनों आरोपितों में राजकुमार (खिरीमोड़) और गुड्डु यादव (कृष्णगढ़, भोजपुर) शामिल हैं। राजकुमार एम्स में सुरक्षा गार्ड जबकि गुड्डु सिक्योरिटी फील्ड ऑफिसर है। दोनों के पास से पुलिस ने मोबाइल फोन बरामद किये हैं। पटना पुलिस का दावा है कि आरपीएफ से प्रतिनियुक्त एम्स के उप मुख्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रेमनाथ राय की गाड़ी पर 22 अगस्त को दीघा एम्स एलिवेटेड रोड से उतरने के दौरान इन्हीं दोनों ने अपने एक साथी के साथ मिलकर गोली चलाई थी। दानापुर से राजद विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव के कहने पर इस वारदात को अंजाम दिया गया था। राजकुमार और गुड्डु ने पुलिस को बताया कि वे एम्स में सिक्योरिटी गार्ड का काम करने के दौरान सुरक्षा गार्ड की बहाली प्रक्रिया में अभ्यर्थियों से पैसे लेते हैं। बहाली के 50 प्रतिशत रुपये वे अभ्यर्थियों से लेते थे। इन सभी बातों की जानकारी पिंकू को होती थी। इस बार भी पिंकू के इशारे पर ही दोनों ने एम्स के सुरक्षा अधिकारी की गाड़ी पर फायरिंग की। इसमें वे बाल-बाल बच गये। जबकि उनकी गाड़ी का शीशा टूट गया। दूसरी ओर गोली चलाने वाले आरोपितों के बयान के बाद अब पटना पुलिस ने विधायक के भाई पिंकू की तलाश में छापेमारी तेज कर दी है। शनिवार को खगौल थाने की पुलिस पिंकू के वारंट के लिए कोर्ट गई थी। सूत्रों के मुताबिक अगर जल्द से जल्द उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई तो पुलिस तीन दिनों के भीतर ही पिंकू के खिलाफ इश्तेहार फिर कुर्की-जब्ती के लिए कोर्ट जायेगी।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान : पुलिस ने दोनों आरोपितों की पहचान सीसीटीवी कैमरे के जरिये की। सूत्रों की मानें तो दर्जनों कैमरों को खंगालने के बाद पुलिस फायरिंग करने वालों तक पहुंची। गिरफ्तारी के बाद जब उनसे साजिशकर्ता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पिंकू के नाम का खुलासा किया।

विशेष पुलिस टीम ने दबोचा : आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। टीम का नेतृत्व सिटी एसपी पश्चिमी अभिनव धीमान कर रहे थे। इसमें खगौल थानेदार सुनील कुमार, दानापुर थानेदार प्रशांत भारद्वाज समेत अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया था। 22 अगस्त की सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर एम्स के उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमनाथ राय गाड़ी से दफ्तर जा रहे थे। चालक और बॉडीगार्ड भी साथ में थे। जैसे ही वे खगौल थानांतर्गत दीघा-एम्स एलिवेटेड रोड की ओर उतरे, एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उनकी गाड़ी के ऊपर गोली चलाई। इसके बाद सभी भाग निकले। गोलीबारी के दौरान गाड़ी का शीशा टूट गया।

पटना जीआरपी थानेदार समेत 6 पुलिस वालों पर एफआईआर , 3 सस्पेंड

पटना, एजेंसी। पटना जीआरपी के थानेदार समेत कई छह पुलिस कर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। एफआईआर दर्ज कराने के बाद उनके निलंबन और अग्रेत्तर कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। जंक्शन पर जीआरपी के जवानों की ओर से जेल भेजने का भय दिखाकर पश्चिम बंगाल निवासी यात्री से 39 हजार रुपये वसूलने क मामला है। में रेल पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। मामले में संलिप्तता पाए जाने पर जीआरपी थानेदार सहित छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में आरोपित सिपाही और तीन ओडी ऑफिसर को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही पटना जंक्शन थानेदार का तबादला कर दिया गया। थानेदार पर भी गाज गिर सकती है। उनके निलंबन की अनुशंसा डीआईजी रेल से की गई है। विभाग की ओर से इस मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। इन पुलिस वालों पर रेल यात्रियों को परेशान कर रेलवे को बदनाम करने का आरोप विभाग की ओर से लगाया गया है। मामला इस प्रकार है। मूलरूप से पश्चिम बंगाल निवासी सोमनाथ नाईया बीते एक अगस्त को हावड़ा की ट्रेन पकड़ने पटना जंक्शन पर गए थे। रात में वह स्टेशन पर बैठे थे। तभी जीआरपी के जवान चोर बताकर उन्हें थाने ले आए थे। थाने में सिपाही कृष्ण कुमार ठाकुर ने जेल भेजने की धमकी देकर सोमनाथ नाईया के पास मौजूद 20 हजार रुपये वसूल लिये थे। बाद में 30 हजार और रुपये की मांग की गई थी। इसके बाद पीड़ित के कहने पर उनके पिता ने कोलकाता से स्टेशन पर मेस चलाने वाले रवि के पास ऑनलाइन 19 हजार रुपये भेजे थे।

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
STONE CLINIC MOTIHARI
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जिला में 02 से 30 सितम्बर तक चलेगा मिशन परिवार विकास अभियान

- अभियान के तहत बंध्याकरण व पुरुष नसबंदी हेतु आमजनों को किया जाएगा जागरूक- एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान
- 14 सितम्बर तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा एवं 17 से 30 सितम्बर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का होगा आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में मिशन परिवार विकास अभियान के अन्तर्गत आगामी 02 से 30 सितम्बर तक मिशन परिवार विकास अभियान का आगाज होगा। इसके तहत 02 से 14 सितम्बर तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा एवं 17 से 30 सितम्बर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जोर-शोर से चलाया जाएगा ताकि जनसंख्या के मामलों में कमी लाई जा सकें। उक्त बातें अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने कहा। उन्होंने बताया की मिशन परिवार विकास के सफलता एवं बेहतर प्रबंधन हेतु सिविल सर्जन एवं जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में सम्बद्ध विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी/सलाहकार एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी/सलाहकार के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में सम्बद्ध विभाग के पदाधिकारी/सलाहकार के साथ समन्वय बैठक का आयोजन करने की कार्य योजना तैयार की जा रही है। वहीं जिले के आशा समन्वयक नंदन झा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जन समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना ही हमारा लक्ष्य है इसको लेकर आशाओं को व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया जा रहा है की किस प्रकार लोग बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूक होकर घर की महिलाओं का बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी हेतु आगे आएंगे।

योग्य दम्पतियों से सम्पर्क करेंगी आशा, आंगनबाड़ी सेविका व जीविका दीदीयाँ– डीसीएम नन्दन झा ने बताया कि समुदाय स्तर पर आमजन को उत्प्रेरित करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वे घर-घर व सेंटर पर जाकर परिवार नियोजन के बारे में सास-बहू सम्मेलन आयोजित करते हुए, कंडोम के प्रयोग व गर्भ निरोधक दवाओं के उपयोग की जानकारी देंगी। इस पखवाड़ा को सफल बनाने हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी, प्रिंट एवं डिजिटल मिडिया के सदस्य से सहयोग लिया जाएगा साथ ही माइकिंग के साथ जागरूकता हेतु ई-रिक्शा (सारथी) के माध्यम से रूट चार्ट के अनुसार प्रत्येक प्रखंड में चलाया जाएगा।

स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन कराने पर मिलेगा आर्थिक लाभः डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि प्रत्येक माह के 21 तारीख को सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन दिवस का आयोजन किया जाता है एवं कंडोम के साथ ही अन्य गर्भनिरोधक सामग्रियों का वितरण कराया जाता है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी हेतु आमजनों को जागरूक किया जाता है। बंध्याकरण/नसबंदी के गुणवत्तापूर्ण सेवा अंतर्गत परामर्श, चिकित्सीय जाँच, पैथोलॉजी जाँच इत्यादि की निःशुल्क सेवा दी जाती है। लाभार्थी को प्रत्येक अंतरा सूई पर रु. 100/- की राशि उनके खाता में हस्तांतरित की जाती है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अमित अचल ने बताया कि नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए प्रोत्साहन के तौर पर दिए जाने का प्रावधान है। महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए दी जाती है।

प्रमोद कुमार यादव उर्फ मंटू यादव राजद किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत

बीएनएम। मोतिहारी

राजद के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० गोपाल कृष्ण कुमार चंदन के द्वारा पूर्वी चंपारण के प्रमोद कुमार यादव उर्फ मंटू यादव को राजद किसान प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया । वही प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी संगठन को सुदृढ़ व धारदार सक्रिय भूमिका तथा दल के संघर्षात्मक व रचनात्मक कार्यों में अहम भूमिका निभाने के कारण इनको किसान प्रकोष्ठ पूर्वी चंपारण के जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इनके मनोनयन से राजद पार्टी सुदृढ़ व मजबूत होगी। इनके मनोनयन पर बधाई देने वालों में किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० गोपाल कृष्ण कुमार चंदन , राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष बिनोद श्रीवास्तव, बिहार प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव मो० नसीम अख्तर कल्याणपुर विधायक मनोज यादव, नरकटिया विधायक शमीम अहमद, सुगौली विधायक शशि सिंह, चिरैया के पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव, केसरिया पूर्व विधायक राजेश कुशवाहा, ढाका के पूर्व विधायक फैजल रहमान, नगर निगम के महापौर प्रीति गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गप्पु राय, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, नौरंगिया मुखिया रमेश यादव, पूर्व राजद जिलाध्यक्ष अरुण यादव, सुरेश यादव, बच्चा यादव, शंभू यादव, रविशंकर वर्मा, मुन्ना यादव, बाला सिंह, मनोज यादव मुन्नीलाल यादव इत्यादि सैकड़ों राजद के कार्यकर्ताओं ने प्रमोद यादव उर्फ मंटू यादव के राजद के किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बनने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। उक्त आशय की जानकारी नौरंगिया मुखिया रमेश यादव ने दी।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु से संग्रामपुर को चला युवक लापता

बीएनएम। मोतिहारी। कर्नाटक के बेंगलुरु से चार दिन पूर्व संग्रामपुर स्थित अपने घर को चला एक युवक लापता हो गया है। बताया जाता है कि संग्रामपुर प्रखण्ड क्षेत्र के बरियारिया इन्द्रगाछी का उत्तम कुमार सिंह बेंगलुरु में रहकर काम करता है। 22 अगस्त को अपने घर आने के लिए ट्रेन पर सवार हुआ। लेकिन रविवार तक वह घर नहीं पहुँचा। जिससे स्वजन चिंतित हैं। उत्तम का मोबाइल भी बंद है। जिससे स्वजनों की चिंता और बढ़ गई है। मामले में पीड़ित स्वजन खोजबीन में लग गए हैं।

सीमा से अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया। भारत नेपाल सीमा से भंगहा पुलिस और नगरदही एसएसबी के संयुक्त कार्रवाई में लाखों रुपये मूल्य के अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आज यहां बताया कि शनिवार की रात भंगहा पुलिस और नगरदेही एसएसबी के सहयोग से नेपाल से आते उस संदिग्ध व्यक्ति को रोकने का इशारा किया गया लेकिन वह व्यक्ति पीछे मुड़कर भगाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस और एसएसबी के जवानों ने उस संदिग्ध व्यक्ति को खदेड़ कर पकड़ लिया। नाम पूछा गया तो अपना नाम अभिषेक कुमार घर बेतिया के साठी धान इलाका के शेख टोला कटहरी बताया । नगरदेही एसएसबी के दो जवानों की उपस्थिति में पकड़े गये अभिषेक कुमार की जब जांच की गयीतो उसके पास से एक झोला मिला । जांच के दौरान झोला के अंदर अफीम जैसा मादक पदार्थ पाया गया।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर के चपेट में आने से चार वर्षीय मासूम की मृत्यु

बीएनएम। बेतिया। बेतिया पुलिस जिला के थाना पूजहा टांड़ टोला के समीप मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से चार वर्षीय मासूम की मौत रविवार को हो गई है। चार वर्षीय मासूम बेतिया पुलिस जिला के बैरिया थाना इलाका के गुड़िया कुमारी के रूप में हुई है। वह अपने नाना के घर पूजाहा रहती थी। पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर पर मिट्टी लादकर कहीं जा रहा था। तभी बच्ची ट्रैक्टर में लगे ट्रॉली की चपेट में आ गई,जिसमे ट्रेक्टर में लगे ट्रॉली के पहिए बच्ची के सिर को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई है।

तिरहुत स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर बैठक आयोजित

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : जिले के माड़ीपुर स्थित एक निजी होटल में तिरहुत स्नातक विधान परिषद चुनाव के संदर्भ में "डॉक्टर श्रीकृष्ण सिंह सेवा मंच" के तत्वाधान में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में तिरहुत क्षेत्र के चारों जिलों के लोगों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाना और संभावित उम्मीदवारों में से एक सक्षम उम्मीदवार का चयन करना था, जिसमें आयोजकों को पूरी तरह से सफलता मिली। बैठक की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रघुनंदन प्रसाद सिंह उर्फ अमर बाबू ने की। उन्होंने संस्था द्वारा पूर्व में संपन्न किए गए सफल अभियानों की चर्चा करते हुए आगामी विधान परिषद चुनाव में भी सफलता का दावा किया। अमर बाबू ने सभी उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे स्वयं को उम्मीदवार मानकर जीत के संकल्प के साथ कार्य करें। अधिकांश वक्ताओं ने एक ही उम्मीदवार के पक्ष में अपना समर्थन व्यक्त किया, जिसके बाद अमर बाबू ने डॉक्टर विनायक गौतम को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर शिक्षाविद राजेश शाही ने विषय का प्रवेश कराया और समाज को जागरूक करने के अभियान को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग के छात्रों को ब्रांच क्रेडिट हेड्स पद पर मिली नियुक्ति

बीएनएम। मोतिहारी

एमजीसीयूबी के प्रबंधन विज्ञान विभाग के चार छात्र अरविंद कुमार, संतोष कुमार, रौशन कुमार और कृष्ण कुमार ने प्रतिष्ठित बीएफआईएल - इंडसइंड बैंक में ब्रांच क्रेडिट हेड्स के रूप में नियुक्ति हासिल की है। इस अवसर पर कुलपति, प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि "विश्वविद्यालय को अपने छात्रों की इस अद्वितीय सफलता पर गर्व है। यह न केवल उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि हमारे विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली का भी प्रमाण है। मैं सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और उन्हें उनके नए कार्यक्षेत्र में सफलता की कामना करता हूँ।" प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी, प्रो. रफीक उल इस्लाम ने भी छात्रों की सराहना की और कहा कि "हमें गर्व है की हमारे छात्र अब अपने करियर की शुरुआत ऐसे महत्वपूर्ण पदों से कर रहे हैं, जो न केवल उनके लिए बल्कि हमारे विश्वविद्यालय के लिए भी गौरव का विषय है। सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ और उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। यह सफलता हमें अपने प्रयासों को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि आने वाले वर्षों में हमारे और भी अधिक छात्र देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में अपनी पहचान बना सकें।" वाणिज्य और प्रबंधन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शिरीष मिश्र ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सपना सुगंधा ने भी छात्रों को इस शानदार सफलता पर बधाई दी और कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि हमारे विभाग और विश्वविद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। यह उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और मेहनत का प्रतिफल है।" विभाग नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। गत वर्ष भी 59 विद्यार्थियों का चयन बड़ी कंपनियों द्वारा किया गया था, जिसमें एमएनसीस, निजी बैंक, पीएसयूस और पीएसईएस आदि शामिल हैं। विभाग के अन्य संकाय सदस्य डॉ. अलका लालहाल, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. कमलेश कुमार और डॉ. स्नेहा चौरासिया ने भी छात्रों को इस बड़ी सफलता पर शुभकामनाएँ दी।

जन सुराज विचार मंच की बैठक तके बेतिया शहर की सभी तरह की समस्या पर चर्चा

बीएनएम। बेतिया

बेतिया शहर के नया टोला मुहल्ला में जन सुराज विचार मंच की बैठक रविवार को मयुयुधन प्रसाद की अध्यक्षता में किया गया जबकि संचालन एस सबा ने किया। इस मंच से आमजन को आने वाले समय में क्या क्या फायदा होगा और प्रशांत किशोर जी का असल मक़सद क्या है इनके द्वारा बिहार की तरक्की कैसे संभव होगा इसकी सारी जानकारी समाज सेवी डॉ ए हक़ ने दी। बैठक में भाग लेने वाले बुद्धिजीवियों ने भी अपना अपना पक्ष साझा किया। लगभग दो घंटा तक चले इस मीटिंग में कई तरह की बातें सामने आई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में फिर से इसकी समीक्षा की जाएगी ताकि इस तरह की बैठक हमेशा होता रहे यह आज के दौर के लिये बहुत जरूरी भी है। आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य और विषय था। " बेतिया शहर की सभी तरह की समस्या पर चर्चा और निदान "। बैठक में मुख्य रूप से अक्षय कुमार, सत्या कुमार, अरुण कुमार, मधुसूदन कुमार, नरेन्द्र कुमार सहित दर्जनों बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।

पूर्व मुखिया विभव राय के हत्या मे शामिल चार अभियुक्त गिरफ्तार, डीआईजी से मिले थे भू -संवाद के लोग

- पूर्व मुखिया विभव राय हत्या मामले मे डीआईजी जयंत कांत ने बड़ी कार्रवाई करते हुये चार अभियुक्तों को गिरफ्तार करवा लिया हैं
- भू-संवाद गिरफ्तारी हेतु बिल्कुल शांतिपूर्ण ढंग से एक शिकायत पत्र बेतिया डीआईजी और डीएम को सौप दिया था

अपराधियों की गिरफ़्तारी को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। जल्द ही सभी हत्यारे सालाखों के पीछे होंगे।
डीआईजी जयंत कांत, चम्पारण रेंज

बीएनएम। मोतिहारी /बेतिया : सागर सूरज

मौके पर विभव राय के सुपुत्र दिव्यम कुमार और परिजनों के साथ भू संवाद संरक्षक सदस्य डॉ० एन एन शाही , अरुण ठाकुर , पिंटू ओझा , अखिलेश्वर आजाद , मुखिया विनोद पांडेय , इत्यादि और भू संवाद बेतिया जिला कोऑर्डिनेटर अधिवक्ता केशव कुमार , मिलन राय , आयुष वत्स, चंदन सिंह, विवेक राय, रमन राय, विशाल दूबे, शशि भूषण सिंह इत्यादि और मोतिहारी जिला कोऑर्डिनेटर प्रणव सिंह, मनीष चौधरी,ललित मिश्रा, ऋषभ सिंह,जिला सैनिक कोऑर्डिनेटर विजय शर्मा जी, सोनू सिंह और भू संवाद के सैकड़ों सदस्य उपस्थिति थे । गिरफ्तार अभियुक्तों मे रवि प्रकाश, विजय यादव, विकास सिंह और नन्हे सिंह शामिल हैं, जबकि साजिश कर्ता मुखिया पति मंटू सिंह और गौरव अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं ।डी आई जी जयंत कांत ने कहा वर्तमान मुखिया पति मंटू सिंह और पूर्व मुखिया विभव राय के बीच राजनितिक अदावत थी । मंटू सिंह और गौरव की गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी जारी हैं । मंटू ने पूर्व मुखिया की हत्या करवाई हैं । इस बर्चस्व की लड़ाई मे विभव राय को गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी ।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

चोरी के चार मोटरसाइकिल के साथ चार चोर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में बढी मोटरसाईकिल चोरी की घटना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने चोरी के चार बाइक के साथ चार चोर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 4 अभियुक्तों को चोरी किए गए 4 मोटरसाईकिल, 4 मोबाईल, मास्टर चाभी तथा नंबर प्लेट के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तो में अब्दुल्ला देवान जो कोटवा थाना क्षेत्र का रहने वाला है, मोटरसाईकिल चोरी गिरोह का मुख्य सरगना है जिसके द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोटरसाईकिल चोरी करने करवाने के साथ ही खरीद-बिक्री का कार्य किया जा रहा था। इनके निशानदेही पर कोटवा थाना के सहयोग से चोरी का मोटरसाईकिल बरामद किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में राणा कुमार उम्र 18 वर्ष पिता सुरेन्द्र राय ग्राम बारा गोविन्द थाना चकिया, फिरोज आलम उम्र 20 वर्ष पिता जुमराती मियाँ ग्राम संवगिया वार्ड नं0-03 थाना गड़हिया ओपी, विधि विरूद्ध बालक नितेश कुमार उम्र करीब 16 वर्ष पिता सिकिन्द्र सहनी ग्राम बारा गोविन्द थांना चकिया,अब्दुल्ला देवान पिता स्व० कलामुदीन देवान ग्राम जसौली टोला फकरीना थाना कोटवा है फिरोज आलम एवं नितेश कुमार का अपराधिक इतिहास पहले दोनो पर मधुबन थाना कांड संख्या-538/22 दिनांक-16.12.22 धारा-413/414/34 भा०द०वि०दर्ज है।

इन चारों के पास से **मोटरसाईकिल** - 04,मोबाईल- 04, मास्टर चाभी - 01 गाड़ी वाहन बिक्री पत्र - 02 सेट,लोहे का रेती- 02लोहे का छेनी,01गाड़ी का नम्बर प्लेट हीरो मोटरसाईकिल का चाभी -01 समान भी बरामद किया।वही छापेमारी दल में पुनि सह थानाध्यक्ष संजीव मौआर, मधुबन थाना, पुअनि सह थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार गड़हिया ओपी, पुअनि नसीम हैदर गड़हिया ओपी,पुअनि दिनेश कुमार सिंह, गड़हिया ओपीहवलदार राजेन्द्र प्रसाद सिंह, गड़हिया ओपी, सिपाही पवन कुमार, गड़हिया ओपी, चौकीदार चुमन राय, गड़हिया ओपी शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

पर्व-त्यौहार को लेकर बढ़ते अपराध के मद्देनजर चलाया गया सघन वाहन जांच

8500वसूला गया जुर्माना

बीएनएम। पचपकड़ी। पचपकड़ी ओपी को जब से थाना की दर्जा मिला है तब से थानाध्यक्ष से लेकर अधिकारी अपने क्षेत्र में एक भी अपराध नहीं हो इसके लिए हर संभवतः प्रयास किए रहता हैं। जबकि पर्व त्योहार के दिनों में उच्चको की उच्चकपन बढ़ जाता हैं। जिसके लिए पचपकड़ी थाना क्षेत्र के बाईस माइल चौक पर घंटो वाहन जांच किया गया। वाहन जांच में दो चक्का से लेकर तीन चक्का, चार चक्का को बारीकी से जांच किया गया। वही जांच अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ने बताया की कल क्षेत्र के हरेक गांव मुहल्ला में जन्माष्टमी की पर्व बड़े धूमधाम से जगह जगह मनाया जाता हैं। जिसमे कुछ असमाजिक लड़के शराब के नशे में उच्चकपन करते हैं एवम शराब पीकर हुहल्ला भी करते हैं। जिसको लेकर नेपाल की सीमा नजदीक होने से शराब लेकर आते हैं। जिसको लेकर रूटीन वाहन जांच के क्रम में आज विशेष रूप से जांच किया गया हैं। जिसमे वाहन चालकों की ड्राइवरी लाइसेंस, हेमलेट के साथ सभी प्रकार की कागजातो की जांच किया है। वही इसके के पास आधा अधूरा कागजात एवम ड्राइवरी लाइसेंस, हेलमेट नही रहने पर दर्जनों वाहनों से साढ़े आठ हजार रूपये की चालान की कटा गया है, जिसको लेकर क्षेत्र में वाहन चालकों में हड़कंप मच गया था। वही जिस वाहन चालकों के पास सभी कागजात एवम लाइसेंस पाया गया उसको सही मार्गदर्शीत कर छोड़ दिया गया। जिसको लेकर पचपकड़ी थाना के एसआई ब्रज भूषण सिंह की ईमानदारी को लेकर क्षेत्र के हरेक चौक चौराहों पर चर्चा हो रही हैं।

मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड 02 की पुनरावृत्ति हो सकती है : राजद

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मुजफ्फरपुर में पार्वती छात्रावास में हुई एक छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड 02 की पुनरावृत्ति की साजिश करार दिया है। राजद का आरोप है कि छात्रावास के संचालक ने छात्रा के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या की और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। घटना के बावजूद 24 दिनों के बाद भी आरोपित संचालक की गिरफ्तारी नहीं हुई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। इस मामले को लेकर राजद ने मुजफ्फरपुर के समाहरणालय में जिला अध्यक्ष रमेश गुप्ता की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया। धरना में शामिल राजद नेताओं ने मुजफ्फरपुर और बिहार में बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई और सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला ने कहा कि बिहार में लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर लड़कियों के यौन शोषण के मामले को सरकार ने ढकने की कोशिश की है। वहीं, जिला अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कहा कि मुजफ्फरपुर में बालिका गृह कांड जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की साजिश चल रही है, जिसे राजद किसी भी सूरत में नहीं होने देगा। राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी इस मामले को संज्ञान में लिया है और पीड़ितों को न्याय दिलाने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही है। इस धरना में कई विधायक, पूर्व मंत्री, और अन्य राजद नेता शामिल हुए और सरकार पर कड़े आरोप लगाए। धरना के दौरान अपराध, लूट, हत्या, और बलात्कार की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

सड़क दुघर्टना में दो लोगों की मौत तथा दो गंभीर रूप से घायल, बाइक सवार ने मारा ठोकर, बाइक सवार युवक सहित दो की मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार और जिला प्रशासन की सारी कवायदों पर लग रहा है प्रश्न चिन्ह

बीएनएम। सुगौली

रफ्तार के शौक ने दो लोगों को मौत की सौगात दे दी तो वहीं दो लोग बुरी तरह घायल हो गये हैं। घटना रविवार को सुगौली -रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग पर डाक-बंगला चौराहे के समीप की बाताई जाती है। बाइक सवार एक मृतक चांदमारी मोतीहारी निवासी राजू पटेल का पुत्र अनुभव पटेल तथा दूसरा मृतक सुगौली नगर पंचायत के सुगौली गांव निवासी स्व. पारस साह का पुत्र रामजी प्रसाद बताया जाता है। जबकि घायलों में एक बाइक सवार मोतीहारी निवासी करण कुमार तथा स्थानीय आमिर खान टोला निवासी शेख तस्दूद का पुत्र शेख गुड्डु कुमार बताया जाता है। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर थाना लाई तथा घायलों का स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतीहारी रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आर्गन बाइक व अन्य दो तीन बाइकों पर सवार युवकों का झुंड बेहद तेज गति से बाइकों को चलाते हुए मोबाइल में रील बना रहे थे। तभी आर्गन बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे बैठे गपशप करते लोगों से टकरा गई। जिसमें स्थानीय रामजी प्रसाद जो पेशे से पीक अप चालक था कि तथा बाइक सवार अनुभव पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठे मोतीहारी निवासी करण कुमार तथा स्थानीय आमिरखान टोला निवासी गुड्डु कुमार जो सड़क किनारे बैठा था वो गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस के दारोगा शंभू साह ने बताया कि मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए मोतीहारी भेजा जा रहा है। वहीं घायलों को बेहतर इलाज के लिए मोतीहारी भेजा गया है। शनिवार को उसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक और स्कूटी से टक्कर हो गई थी। जिसमें स्कूटी सवार महिला घायल हो गई थी। गौरतलब है कि बिहार सरकार और जिला प्रशासन राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात सुरक्षा कानून के तहत लगातार कवायदें कर रहीं हैं। बावजूद सारी कवायदों के परिणाम आशाजनक नहीं आना संशय का विषय है।

लखपति जीविका दीदियों को किया गया सम्मानित

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के मनोहर छपरा में रविवार को जीविका द्वारा लखपति दीदी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।ज्योति जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ द्वारा आयोजित इस समारोह में करीब एक दर्जन लखपति दीदियों को सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले जीविका लखपति दीदियों में सीता देवी, सरिता देवी, पूनम देवी, रेणु देवी, अमृता कुमारी, चिंता देवी, सहित करीब पाँच दर्जन शामिल हैं। इन दीदियों ने जीविका से ऋण लेकर अपना विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय कर एक लाख रुपया वार्षिक आय अर्जित की है। जिसको लेकर इन दीदियों को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सामुदायिक समन्वयक राकेश कुमार ने कहा कि जीविका महिलाओं के आर्थिक उत्थान में काफी मददगार साबित हो रहा है। आधी आबादी जीविका से जुड़कर आत्मनिर्भर हो रही हैं। आत्मनिर्भर होने के साथ वे अपने परिवार का जीवकोपार्जन भी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जीविका महिलाओं को आगे बढ़ने का एक बेहतर प्लेटफार्म है। जिससे जुड़ कर वे बेहतर कर रही हैं। इससे पहले समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। समारोह की अध्यक्षता ज्योति जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ की अध्यक्ष मंजू कुमारी ने की। मौके पर संघ की सचिव उषा कुमारी, कोषाध्यक्ष रिंकू देवी, सीसी रंजीत कुमार, सीएफ रंजीत कुमार, बीके अमर राम, नंदनी कुमारी, सीएफ गुड़िया कुमारी, सुगांति देवी, संतोष राम सहित अन्य मौजूद थे।

बीडीओ व बीईओ के आदेश के बाद एचएम का प्रभार नही सौंपने पर हुई करवाई

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय, मठलोहियार के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार साह बीडीओ व बीईओ के आदेश के बाद भी वरीय शिक्षक को हेडमास्टर का प्रभार नही सौंप रहे है। बाध्य होकर बीईओ आशा कुमारी ने प्रभारी प्रधानाध्यापक का वेतन स्थगित कर दिया है। बताया गया है कि बीईओ के द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार उक्त स्कूल का वरीय स्नातक ग्रेड शिक्षक अजीत सेन है। प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री साह को 3 अगस्त को वरीय शिक्षक अजीत सेन को स्कूल का हेडमास्टर बनाने का पत्र बीईओ ने देते हुए सम्पूर्ण प्रभार सौंपने का आदेश दिया था। प्रभार नही देने पर बीडीओ मनोज कुमार पासवान ने प्रभारी संजय कुमार साह से स्पष्टीकरण मांगा गया था। इधर बाध्य होकर बीईओ ने वेतन स्थगित कर दिया है। बीईओ ने बताया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री साह बार बार आदेश के बाद भी प्रभार वरीय शिक्षक अजीत सेन को नहीं सौप रहे है। जो हठधर्मिता को दर्शाता है। इसलिए प्रभार सौंपे जाने तक शिक्षक संजय कुमार साह का वेतन स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रभार नही सौंपने पर विभागीय करवाई के लिए वरीय अधिकारी को पत्र लिखा जायेगा।

केसरिया एसएफसी गोदाम से डीलरों को दी गई घटिया किस्म की अनाज, केसरिया प्रखंड क्षेत्र का है मामला

बीएनएम। मोतिहारी

- उपभोक्ता राशन लेने से कर रहे इंकार
- एजीएम बोले, वापस कर दिया जाएगा दूसरा अनाज

सरकार राशनकार्ड लाभुकों को पोषणयुक्त अनाज देने का लाख दावा कर लें लेकिन उसका यह दावा धरातल पर खोखला साबित होता दिखाई दे रहा है। माह अगस्त में जिले के केसरिया प्रखण्ड क्षेत्र के अधिकांश जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं को राज्य खाद्य निगम के केसरिया गोदाम से घटिया किस्म की अनाज की आपूर्ति की गई है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता डीलरों के यहाँ से इस अनाज को लेने से इंकार कर रहे हैं।यह अनाज डीलरों के गले की हड्डी बन गई है। केसरिया प्रखण्ड क्षेत्र के ढेकहाँ, सुंदरापुर, बथना, ताजपुर पटखौलिया सहित अन्य पंचायत के करीब दो दर्जन से अधिक डीलरों को घटिया किस्म की चावल आपूर्ति की गई है। आपूर्ति की गई चावल में कीड़ा, सड़ा हुआ चावल आदि मिला हुआ है। जिसे खाने से फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। कई जगह तो इसको लेकर विवाद भी हो गया है। पूर्वी सुन्दरापुर पंचायत के राशन उपभोक्ता अनिल कुमार, श्यामनन्दन राय सहित अन्य ने बताया कि राज्य खाद्य निगम के द्वारा आपूर्ति की गई इस अनाज को यदि उपभोक्ता खाते हैं तो कई तरह के बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। इस अनाज को हमलोग नहीं लेंगे। विभाग इसे बदल कर अच्छा अनाज समय से उपलब्ध कराये। इस पंचायत के सरपंच अरुण यादव ने विभाग से मांग किया है कि डीलरों को दी गई घटिया किस्म की अनाज को वापस कर दूसरा अनाज दिया जाये। इधर, कई डीलरों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि गोदाम द्वारा सौतेलापन व्यवहार किया जाता है। जो डीलर कुछ अनाज गोदाम पर छोड़ते हैं उन्हें अच्छे किस्म की अनाज दी जाती है। यहाँ बता दें कि राशनकार्ड लाभुकों को पोषणयुक्त चावल के नाम पर घटिया किस्म की अनाज आपूर्ति करना कई तरह के सवाल खड़ा कर रहा है! आखिर कैसे इतना घटिया अनाज आपूर्ति की गई! इस संबंध में केसरिया एसएफसी गोदाम के सहायक गोदाम प्रबंधक अविनाश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जिन डीलरों के यहाँ खराब अनाज गया है उसे वापस कर दूसरा अनाज दिया जाएगा। इस दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

श्रीकृष्ण हैं सृष्टि के महानायक एवं मैंनेजमेंट गुरु

ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण महानायक एवं मैंनेजमेंट गुरु हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैंनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं। सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैंनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण उहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ,

बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे। भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैंनेजमेंट अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख-शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं। श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है- कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय-यह उचित प्रबंधन से ही संभव है। भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ-साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय-नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ-साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ-साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा। वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते-बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे। श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन-गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब-जब अनीति बढ़ जाती है, तब-तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है। श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया।

चिंतन मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं।

सूक्ति

उस व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है जो सहायता करने की भावना रखता है।

अब्राहम लिंकन

हमारी सबसे बड़ी महानता गिरने से बचने में नहीं है बल्कि हर बार गिरकर उठने में निहित है।

कन्फ्यूशियस

आज का राशिफल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि सप्तमी, सोमवासरे, कृतिका योगे, ध्रुव योगे, वालव करणे, वृष की चंद्रमा, जयंती योग श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, कृष्ण अवतार रोहणी अष्टमी का योग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, व्यापारी, खेल का सामान बेचने वाला, बन्दूक पिस्टल आदि बेचने वाला, अधिवक्ता, प्रिंसपल होगा।

मेष :- स्त्री सुख, पुत्र सुख मध्यम होगा तथा यश-प्रतिष्ठा की प्राप्ति अवश्य होगी।

वृष :- साप्ताहिक कार्य में रुचि बढ़ेगी, इच्छित कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य व्यवसाय का ध्यान रखें।

मिथुन :- कार्य क्षेत्र में विफलता, अल्प व्यवसाय भय होगा, उठा रोग दब जायेगा।

कर्क :- कोई मित्र शत्रु हानि पहुंचान ऽकी चेष्ठा करेगा तथा अभिष्ठ कार्य में सफलता मिलेगी।

सिंह :- कार्य क्षेत्र में विफलता, अल्प व्यवस्थित जीवन, प्रभावशाली कार्य बनें अवसर मिलेगा।

कन्या :- पुराने व्यापार में वृद्धि होगी, नये व्यापार में हानि होगी, स्वजनों से मिलन होगा।

तुला :- राजकीय कार्य में प्रतिष्ठा, अन्य योजनाओं में आर्थिक लाभ अवश्य ही मिलेगा।

वृश्चिक :- भौतिक सुख-साधनों की कमी, प्रियजनों की उपेक्षा से हानि तथा पारिवारिक क्लेश बनेगा।

धनु :- कार्य सिद्धी, शारीरिक शिथिलता का निवारण होगा, गृहस्थ जीवन सुखमय रहेगा।

मकर :- पुरजन व्यक्तियों से कष्ट, अनियंत्रित दिनचर्या, मानसिक व्यथा बढ़ेगी।

कुम्भ :- लापरवाही अधिक, निद्रा से हानि संभव, सामान्य सुविधा अवश्य ही बनेगी।

मीन :- सामान्य ब्योहार का वातावरण करना उचित रहेगा, व्यवसायिक यात्रा योग बनेंगे।

शिव ही सत्य है

संजय गोस्वामी

मुख्य शब्द-अश्वत्थ ((फल रूप में पिप्पल), शाखा, ऊर्ध्व-अधः, अव्यय (सनातन), छन्द-छन्दांसि, पर्ण, वेद। १. वृक्ष प्रतीक - (१) दारु ब्रह्म- ब्रह्म के क्रियात्मक रूप को कई अर्थों में वृक्ष कहा है। यह पुरुष रूप चेतन भी है, काष्ठ रूप निर्माण सामग्री या प्रकृति भी। अतः विष्णु के जाग्रत रूप जगन्नाथ को दारु ब्रह्म कहा गया है। वह ६ अर्थों में दारु ब्रह्म हैं-(१) चेतन तत्त्व, (२) निरपेक्ष द्रष्टा, (३) निर्माण क्रम, (४) निर्माण सामग्री और आधार, (५) सदा बढ़ने वाला, (६) संकल्प-क्रिया फल का अनन्त क्रम। निर्माण सामग्री और आधार-ब्रह्म वनं ब्रह्म स वृक्ष आसीत् यतो द्यावा पृथिवी निष्टतक्षुः। मनीषिणो मनसा विब्रवीमि वो ब्रह्माध्यतिष्ठद् भुवनानि धारयन्॥ (तैत्तिरीय ब्राह्मण, २/८/९/१६) निर्माण का अधिष्ठान, आरम्भ और विधि-किं स्विदासीदधिष्ठानमारम्भणं कतमत्स्वित् कथासीत्। यतो भूमि जनयन् विश्वकर्मा वि द्यामौर्णोन् मह्ना विश्वचक्षाः॥ (ऋक्, १०/८१/२, तैत्तिरीय संहिता, ४/६/२/११) सर्वोच्च द्रष्टा-यस्मात् परं नापरमस्ति किञ्चित्, यस्मान्नाणीयो न ज्यायोऽस्ति कश्चित्। वृक्ष इव स्तब्धो दिवि तिष्ठत्येनेदं पूर्णं पुरुषेण सर्वम्॥ (श्वेताश्वतर उपनिषद्, ३/९) गुण, वासना, कर्म, फल का अनन्त क्रम-अधश्चोर्ध्वं प्रसृतास्तस्य शाखा गुणप्रवृद्धा विषयप्रवालाः। अधश्च मूलान्यनुसन्ततानि कर्मानुबन्धीनि मनुष्यलोके॥ (गीता, १५/२) प्राण, चित्त, वासना-द्वे बीजे चित्तवृक्षस्य प्राणस्पन्दनवासने। एकस्मिँश्च तयोः क्षीणे क्षिप्रं द्वे अपि नश्यतः (मुक्तिकोपनिषद्, २/२७) ब्रह्म के ३ रूपों का निर्देश गायत्री मन्त्र के ३ पादों में है-सृष्टि रूप ब्रह्मा, क्रिया रूप विष्णु, ज्ञान रूप शिव। इनके प्रतीक हैं-पलास, अश्वत्थ, वट। अश्वत्थरूपो भगवान् विष्णुरेव न संशयः। रुद्ररूपो वटस्तद्वत् पलाशो ब्रह्मरूपधृक्॥ (पद्मपुराण, उत्तर खण्ड, ११५/२२) (२) विष्णु रूप अश्वत्थ- अश्वत्थः सर्व वृक्षाणां (गीता, १०/२६)-कई रूप में अश्वत्थ विष्णु रूप है-(१) इस पर अनेक पक्षी आश्रय लेते हैं, जैसे पृथ्वी पर जीव गण, (२) इसके गोल बीजों में कण समान छोटे बीज हैं, जैसे ब्रह्माण्ड में कण रूप तारा आदि। (३) सूक्ष्म बीज से बड़ा अश्वत्थ बन जाता है, जैसे सूक्ष्म सङ्कल्प से अनन्त विश्व, (४) पिप्पल का छोटा बीज पत्थर, दीवाल आदि में भी जम जाता है, जैसे हर स्थिति में जीव हो जाते हैं। (५) वृक्ष नष्ट होने पर उसी के काष्ठ से अन्य पीपल उगने लगता है, एक कल्प के अन्त होने पर अन्य कल्प। (६) रोग नाशक। अश्वत्थे वो निषदनं पर्णे वो वसतिष्कृता। (ऋक्, १०/९७/५)। यस्मिन् वृक्षे मध्वदः सुपर्णा निविशन्ते चाधिविश्वे। तस्येदाहुः पिप्पलं स्वाद्वग्रे तन्नोन्नशद्यः पितरं न वेद॥ (ऋक्, १/१६४/२२) अश्वत्थे वो निषदनं पर्णे वो वसतिष्कृता। गो भाज इत् किलासथ यत् सनवथ पूरुषम्॥ (ऋक्, १०/९७/५) अश्वत्थो देवसदनस्तृतीयस्यामितो दिवि। तत्राम्तस्य चक्षणं ततः कुष्ठो अजायत॥ (अथर्व, १९/३९/६), कुष्ठः = कु अर्थात् पृथ्वी पर स्थित। अलाबूनि पृषत्कान्यश्वत्थ पलाशम्। पिपीलिका वटश्वसो विद्युत् स्वापर्णशफो। गोशफो जरिततरोऽथामो दैव॥(अथर्व, २०/१३५/३) अथ यदनाशकायनमित्याचक्षते ब्रह्मचर्यमेव तदेष ह्यात्मा न नश्यति यं ब्रह्मचर्येणानुविन्दते। अथ यदरण्यायनमित्याचक्षते ब्रह्मचर्यमेव तदरश्च ह वैण्यश्चर्णवौ ब्रह्मलोके तृतीयस्यामितो दिवि। तदैरं मदीयं सरस्तदश्वत्थः सोमसवनः। तदपराजिता पूः ब्रह्मण। प्रभु विमितं हिरण्मयम्। (छान्दोग्य उपनिषद्, ८/५/३) (३) ब्रह्मा रूप पलास-पलास के हर शाखा से ३ पत्र निकलते हैं-शाखा भी बची रहती है। अतः ब्रह्मा रूप सृष्टि को समझने के लिए वेद में कई प्रकार से (प्रायः ६० वैदिक उल्लेख) त्रिविध विभाजन हैं। हर विभाजन में कुछ छूट जाता है जिससे त्रयी का अर्थ ४ वेद होता है। अविभक्त को अज्ञेय ब्रह्म कहा है (अविभक्तं विभक्तेषु - गीता, १३/१६, १८/२०)। अतः ब्रह्मा को पलास जैसा कहा है और व्रतारम्भ संस्कार में मूल ब्रह्म रूप पलास दण्ड धारण करते हैं। यस्मिन् वृक्षे सुपलाशे देवैः संपिबते यमः। अत्रा नो विश्पतिः पिता पुराणां अनु वेनति॥ (ऋक्, १०/१३५/१) सर्वेषां वा एष वनस्पतीनां योनिर्यत् पलासः। (स्वायम्भुव ब्रह्मरूपत्त्वात्) तेजो वै ब्रह्मवर्चसं वनस्पतीनां पलाशः- ऐतरेय ब्राह्मण, २/१) ब्रह्म वै पलाशस्य पलाशम् (= पर्णम्)। (शतपथ ब्राह्मण, २/६/२/८) ब्रह्म वै पलाशः। (शतपथ ब्राह्मण, १/३/३/१९) (४) शिव रूप वट-शिव का प्रतीक वट है। शिव परम ज्ञान रूप हैं, गुरु-शिष्य परम्परा का आरम्भ शिव से ही हुआ है।

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है। महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं, महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी। जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है।

बुलडोजर न्याय या तालिबानी संस्कृति ?

राकेश अचल

देश के भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर न्याय एक बार फिर से चर्चा में है । मध्यप्रदेश ,उत्तर प्रदेश और हरियाणा में बुलडोजर के जरिये त्वरित न्याय देने की गैरकानूनी कोशिश की गयी है। कांग्रेस नेता प्रियंका गाँधी की टिप्पणी ने इस तरीके की वजह से मध्यप्रदेश की सरकार को आड़े हाथों लिया है। अब सवाल ये है कि हमारी सरकारें अपराध होने के बाद अपराधियों को सजा देना चाहतीं हैं या अपनी खीज मिटाना चाहती है। संयोग से बुलडोजर का शिकार देश के अल्पसंख्यक ही हुए हैं। प्रियंका गांधी द्वारा 'बुलडोजर न्याय' को अस्वीकार्य बताए जाने पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी शख्स कानून से बड़ा नहीं है और जो भी य तोड़ रहे हैं उनके खिलाफ संविधान के तहत कार्रवाई हो रही है।अब मुख्यमंत्री को ये जानने की जरूरत है की कार्रवाई संविधान कि तहत नहीं बल्कि न्याय विधान कि तहत की जाती है । बुलडोजर संहिता का जिक्र देश कि संविधान में तो कहीं है नहीं। मध्यप्रदेश ने बुलडोजर संहिता शायद उत्तर प्रदेश से सीखी है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने दस साल पहले बुलडोजर का इस्तेमाल अपराधियों के खिलाफ शुरू किया था हालाँकि इस बुलडोजर संहिता को देश की किसी संसद या विधानसभा ने पारित नहीं किया है। भाजपा शासित सरकारों ने भू-माफिया की कमर तोड़ने के साथ ही ,और बलात्कार ,हत्या जैसे अपराधों के बाद बुलडोजर के जरिये आरोपियों की स्थावर सम्पत्ति को बुलडोज करने की मुहिम शुरू की थी। बुलडोजर संहिंता का इस्तेमाल करने वाली भाजपा सरकारों का तर्क होता है कि अपराधियों की स्थावर सम्पत्ति सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से बनाई गयी है इसलिए उसे तोड़ा जाता है। सरकार से कोई ये नहीं पूछा कि जब कोई सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण कर रहा होता है ,तब सरकार कहाँ होती है ? सरकार की आँख तभी क्यों खुलती है जब सम्पत्ति का मालिक किसी अपराध में आरोपी बना दिया जाता है ? उत्तर प्रदेश में बुलडोजर का इस्तेमाल व्यक्ति विशेष के साथ ही सामूहिक रूप से भी किया गया ,और किया जा रहा है। हाल ही में अयोध्या और कन्नौज में बुलदजार चले। मध्यप्रदेश के छतरपुर में अपराधियों कहें या आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया। देवयोग से बुलडोजर का शिकार सभी लोग गैर भाजपाई निकले। मध्यप्रदेश में 19 महीने की कांग्रेस सरकार ने भी बुलडोजर का इस्तेमाल किया था ,लेकिन कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने बुलडोजर केवल और केवल भूमाफिया के खिलाफ चलाया था और उसे अच्छा

जनसमर्थन मिला था। कांग्रेस के बुल्डोजर ने भाजपा समर्थित भूमाफिया को निशाना बनाया था ,किन्तु भाजपा सरकारों के बुल्डोजर केवल और केवल अल्पसंख्यकों को अपना निशाना बना रही है ,इसलिए उसे जन समर्थन नहीं मिल रहा। आम धारणा ये हैकि ये भाजपा सरकारों की देश की मौजूदा न्याय व्यवस्था के समानांतर तालिबानी न्याय व्यवस्था की स्थापना करने की कोशिश घातक है। आपको याद होगा कि अफगानिस्तान में तालबानियों ने बामियान की बुद्ध मूर्तियों को बारूद से उड़ा दिया था। भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में समानांतर न्याय व्यवस्था से समाज में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है और अब ये व्यवस्था राजनीतिक मुद्दा बन रहा है। उत्तर प्रदेश में तो अल्पसंख्यकों की पूरी एक बस्ती को एक सरकारी योजना के नाम पर जमीदोज कर दिया गय। उत्तराखंड में भी भाजपा सरकार ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया। दरअसल बुल्डोजर का काम विध्वंश का है ही नहीं। उसे जिस काम के लिए बनाया गया है वो काम उससे न लेकर सरकारें इस भारी-भरकम मशीन के जरिये समुदाय विशेष के खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रही है। मध्यप्रदेश की बुलडोजर प्रेमी तत्कालीन शिवतराज सिंह सरकार ने ग्वालियर में एक बलात्कार के आरोपी के खिलाफ तमाम दबाबों के बावजूद बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया क्योंकि आरोपी भाजपा समर्थक और उच्च जाति का था। बुलडोजर की आँखें नहीं होतीं। बुलडोजर का नियंत्रण एक चालक के हाथ में होता है और बुलडोजर का चालक सरकारी मुलाजिम होता है। उसकी कमान सरकार के हाथ में होती सरकार।सरकार अपनी गलतियों को छिपाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल करती है। हर प्रदेश में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने की सामूहिक प्रवृत्ति है। लेकिन राजनीतिक रूप से प्रभुत्व सम्पन्न अतिक्रमण में सबसे आगे रहते हैं किन्तु उन्हें बुलडोजर नहीं पहचानता। अतिक्रमणकर्ताओं को सरकारें पहचानतीं हैं लेकिन ये पहचान भी तब होती है जब वे किसी अपराध में आरोपी बन जाते हैं। अंधे बुलडोजर ने अतीत में ऐसी सम्पतियों को भी बुलडोज कर दिया जो आरोपी की थी ही नही। आरोपी उनमें किराये से रहते थे। यानि आरोपी कोई और ,सम्पत्ति किसी और की लेकिन उसे भीउसे भी नहीं बख्शा गया। मुझे याद आता है कि ये ध्वंसात्मक प्रवृत्ति पहले नौकरशाही में थी। सरकार में नहीं। एक जमाने में मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में राजनीतिक विरोधियों और भूमाफियाओं के खिलाफ ऐसी ही ध्वंसात्मक कार्रवाइयां की गयीं थी । तब बुलडोजर का नहीं बल्कि बारूद का इस्तेमाल किया जाता था । तब मध्यप्रदेश में सरकार कांग्रेस की थी और उस कार्रवाई को जनसमर्थन भी खूब मिला था ,क्योंकि तब सरकार के निशाने पर कोई जाति विशेष का व्यक्ति नहीं होता था। ग्वालियर में दशकों पहले पुलिस के एक सिपाही की हत्या के बाद तत्कालीन एसपी आसिफ इब्राहिम ने न सिर्फ आरोपी के घर में तोड़फोड़ कराई थी बल्कि आरोपी को भी दिन दहाड़े एक कथित मुठभेड़ में मार गिराया था। ये त्वरित न्याय है या तालिबानी न्याय ? ये तय करना कल भी जरूरी था और आज भी जरूरी है। तकलीफ की बात ये है कि देश की अदालतें बुलडोजर संहिंता के इस्तेमाल के मामले में मौन साधे हुए हैं। मेरा निजी विचार ये है कि बुलडोजर संहिता एक असभ्य और गैरकानूनी विधा है। इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए न कि इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यदि बुलडोजर ही न्यायाधीश बन जायेंगे तो आने वाले दिनों में अदालतों की जरूरत ही किसे होगी ? 0

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

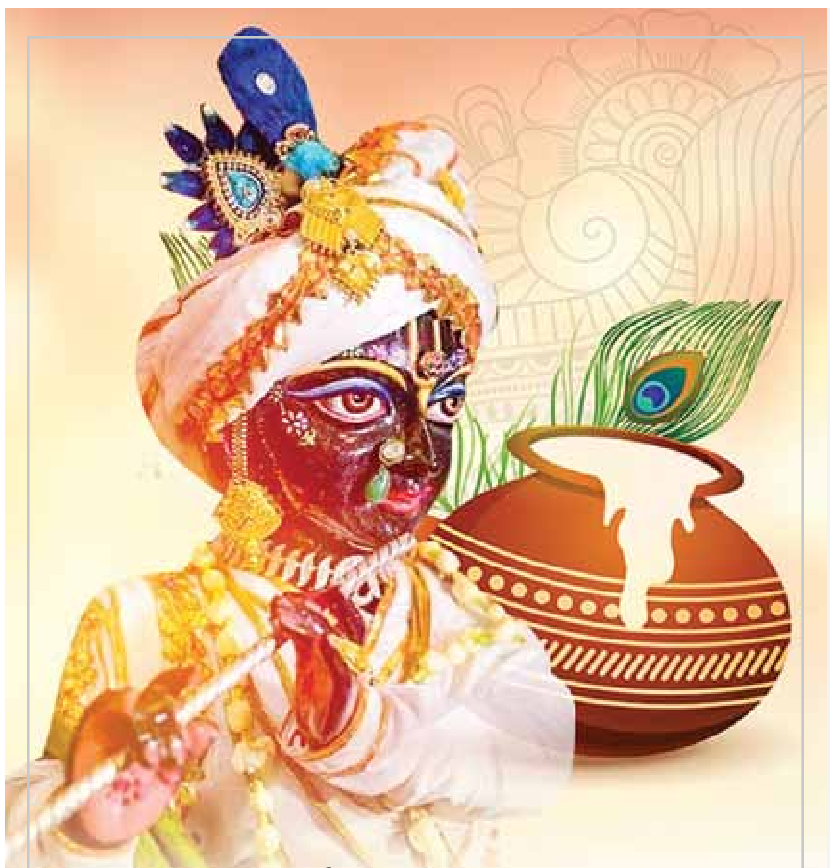

विष्णु के सभी अवतारों में सर्वोच्च स्थान रखते हैं भगवान श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण का सभी अवतरों में सर्वोच्च स्थान है। संपूर्ण भारत में उन्हीं के सबसे अधिक और प्रसिद्ध मंदिर है। दुनियाभर में उन्हीं पर शोध हो रहे हैं और दुनियाभर के लोग उन्हीं को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। वे देश, धर्म और संप्रदाय से उपर उठकर सर्वमान्य महापुरुष हैं। आओ जानते हैं कि उनके बारे में ऐसे तथ्य जिन्हें जानकर लोग उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

भगवान नहीं, प्रेमी और सखा

श्री कृष्ण अपने भक्तों के मित्र, दोस्त या सखा हैं। वे कभी भी किसी भक्त के भगवान नहीं बने। उन्होंने हमेशा मित्रता को ही महत्व दिया। चाहे सुदामा हो, अर्जुन हो गया फिर कलिकाल में भक्त माधवदास और मीरा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों के सखा भी और गुरु भी हैं। वे प्रेमी और सखा बनकर गुर ज्ञान देते हैं। उनके हजारों सखाओं की कहानियों को जानने से यह भेद खुल जाता है।

जग के नाथ जगन्नाथ

श्रीकृष्ण 14 विद्या और 16 आध्यात्मिक और 64 सांसारिक कलाओं में पारंगत थे। इसीलिए प्रभु श्रीकृष्ण जग के नाथ जगन्नाथ और जग के गुरु जगदगुरु कहलाते हैं।

पूर्णावतार

भगवान श्रीकृष्ण का भगवान होना ही उनकी शक्ति का स्रोत है। वे विष्णु के 10 अवतारों में से एक आठवें अवतार थे, जबकि 24 अवतारों में उनका नंबर 22वां था। उन्हें अपने अगले पिछले सभी जन्मों की याद थी। सभी अवतारों में उन्हें पूर्णावतार माना जाता है।

चमत्कार

उन्होंने बालपन में माता यशोदा मैया को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए थे। वे सांदीपनि ऋषि के मृत पुत्र को यमराज के पास से पुनः ले आए थे। उन्होंने मथुरा में कुबड़ी कुब्जा को तक्षण ही ठीक कर दिया था। उन्होंने इंद्र का अहंकार चूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी चींटी अंगुली से उठा लिया था। उन्होंने धृतराष्ट्र की सभा में जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब उन्होंने अपने चमत्कार से द्रौपदी की साड़ी लंबी कर दी थी। बर्बरीक का सिर काटकर एक स्थान विशेष पर रख दिया था जहां से वह युद्ध देख सके। जयद्रथ वध के पूर्व उन्होंने अपनी माया से समय पूर्व ही सूर्यास्त करके पुनः उसे उदित कर दिया था। उन्होंने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे पुत्र परीक्षित पुनः जीवित कर दिया था और अश्वत्थामा को 3 हजार वर्षों तक जीवित रहने के श्राप दे दिया था। इस तरह उनके सैंकड़ों चमत्कार है।

शरीर का गुण

युद्ध के समय श्रीकृष्ण की देह विस्तृत और कठोर हो जाती थी और नृत्य के समय कोमल। उनके शरीर से मादक गंध निकलती रहती थी। इस गंध को वे अपने गुप्त अभियानों में छुपाने का उपक्रम करते थे। ऐसा माना जाता है कि ऐसा इसलिए हो जाता था क्योंकि वे योग और कलारिपट्टू विद्या में पारंगत थे।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था। इसी तरह उन्होंने मृत्यु का भी चयन तब किया जबकि उन्हें अपने धाम जाना था। पौराणिक मान्यताओं अनुसार प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

विराट स्वरूप

उन्होंने अक्रूरजी को अपना विराट स्वरूप दिखाया, फिर उद्धव को, फिर राजा मुचुकुंद को, फिर शिशुपाल को, फिर धृतराष्ट्र की सभा में, पिर अर्जुन को 3 बार विराट स्वरूप दिखाया। कहते हैं कि उन्होंने कलियुग में माधवदास को भी अपना विराट स्वरूप दिखाया था।

सभी और वे पूजा जाते हैं

श्रीकृष्ण को पुरी में जगन्नाथ के रूप में, द्वारिका में द्वारिकाधीश के रूप में, गुजरात में श्रीनाथ के रूप में, राजस्थान में सावलिया सेठ के रूप में पूजे जाते हैं। इसी तरह हर राज्य में उनका एक अलग ही स्वरूप है।

लाखों लोगों को मिला मोक्ष

श्रीकृष्ण के माध्यम से उन्हीं के काल में हजारों महिलाओं, द्रौपदी, राधा, रुक्मिणी, सत्यभामा और गोपियों को मोक्ष मिला या कहें कि ज्ञान प्राप्त हुआ था। उन्होंने भक्ति मार्ग के माध्यम से अपने भक्तों को ज्ञान प्राप्त कराया। गोपियों से लेकर मीरा तक और सुदामा से लेकर सुरदास तक सभी को मोक्ष मिला।

करोड़ों हैं उनके भक्त

श्रीकृष्ण के करोड़ों भक्त हैं। इस्कॉन जैसे कई संगठन हैं जो श्रीकृष्ण भक्ति का प्रचार प्रसार करते हैं।

भगवान कृष्ण की 16108 पत्नियों का राज

कहते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,108 पत्नियां थीं। क्या यह सही है? इस संबंध में कई कथाएं प्रचलित हैं और लोगों में इसको लेकर जिज्ञासा भी है। आइए, जानते हैं कि कृष्ण की 16,108 पत्नियां होने के पीछे राज क्या है।

मूलतः भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थी- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा। कृष्ण अपनी आठों पत्नियों के साथ सुखपूर्वक द्वारिका में रह रहे थे। एक दिन स्वर्गलोक के राजा देवराज इंद्र ने आकर उनसे प्रार्थना की, 'हे कृष्ण! प्रागज्योतिषपुर के दैत्यराज भौमासुर के अत्याचार से देवतागण त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। क्रूर भौमासुर ने वरुण का छत्र, अदिति के कुण्डल और देवताओं की मणि छीन ली है और वह त्रिलोक विजयी हो गया है। इंद्र ने कहा, भौमासुर ने पृथ्वी के कई राजाओं और आमजनों की अति सुन्दरी कन्याओं का हरण कर उन्हें अपने यहां बंदीगृह में डाल रखा है। कृपया आप हमें बचाइए प्रभु। इंद्र की प्रार्थना स्वीकार कर के श्रीकृष्ण अपनी प्रिय पत्नी सत्यभामा को साथ लेकर गरुड़ पर सवार हो प्रागज्योतिषपुर पहुंचे। वहां पहुंचकर भगवान कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की सहायता से सबसे पहले मुर दैत्य सहित मुर के छः पुत्र- ताम्र, अंतरिक्ष, श्रवण, विभावसु, नभश्वान और अरुण का संहार किया। मुर दैत्य के वध हो जाने का समाचार सुन भौमासुर अपने अनेक सेनापतियों और दैत्यों की सेना को साथ लेकर युद्ध के लिए निकला। भौमासुर को स्त्री के हाथों मरने का श्राप था इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा को सारथी बनाया और घोर युद्ध के बाद अंत में कृष्ण ने सत्यभामा की सहायता से उसका वध कर डाला।

इस प्रकार भौमासुर को मारकर श्रीकृष्ण ने उसके पुत्र भगदत्त को अभयदान देकर उसे प्रागज्योतिष का राजा बनाया। भौमासुर के द्वारा हरण कर लाई गईं 16,100कन्याओं को श्रीकृष्ण ने मुक्त कर दिया। ये सभी अपहृत नारियां थीं या फिर भय के कारण उपहार में दी गई थीं और किसी और माध्यम से उस कारागार में लाई गई थीं। वे सभी भौमासुर के द्वारा पीड़ित थीं, दुखी थीं, अपमानित, लांछित और कलंकित थीं।

सामाजिक मान्यताओं के चलते भौमासुर द्वारा बंधक बनकर रखी गई इन नारियों को कोई भी अपनाने को तैयार नहीं था, तब अंत में श्रीकृष्ण ने सभी को आश्रय दिया। ऐसी स्थिति में उन सभी कन्याओं ने श्रीकृष्ण को ही अपना सबकुछ मानते हुए उन्हें पति रूप में स्वीकार किया, लेकिन श्रीकृष्ण उन्हें इस तरह नहीं मानते थे। उन सभी को श्रीकृष्ण अपने साथ द्वारिकापुरी ले आए। वहां वे सभी कन्याएं स्वतंत्रपूर्वक अपनी इच्छानुसार सम्मानपूर्वक द्वारका में रहती थी। महल में नहीं। वे सभी वहां भजन, कीर्तन, ईश्वर भक्ति आदि करके सुखपूर्वक रहती थीं। द्वारका एक भव्य नगर था जहां सभी समाज और वर्ग के लोग रहते थे।

उल्लेखनीय है कि यह भी जनश्रुति है कि पुराणों में उल्लेख है कि भौमासुर ने उन कन्याओं को इसलिए कैद करा था ताकि वह उनकी बलि देकर अमर होकर शक्तिशाली बन सकते, परंतु श्रीकृष्ण ने उसका वध करके 16 हजार कन्याओं को कैद से मुक्त कराकर उन्हें उनके घर भेज दिया था। परंतु घर भेजे जाने के बाद उनके परिवार ने उन्हें अपनाने से इनकार कर दिया तब उन सभी ने श्रीकृष्ण का आह्वान किया तो श्रीकृष्ण ने 16 हजार रुप बनाकर उन सभी को अपना लिया था। परंतु उपरोक्त कहानी ज्यादा सच मालूम होती है।

जन्माष्टमी पर करें श्रीकृष्ण की अष्टयाम पूजा

श्रीकृष्ण के जीवन में 8 अंक का बहुत महत्व था। वे श्री विष्णु के 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष अष्टमी को 8वें मुहूर्त में जन्में थे। तब रोहिणी नक्षत्र, जयंती नामक योग और शून्य काल था। भगवान श्रीकृष्ण वसुदेव के आठवें पुत्र थे। उनकी 8 पत्नियां और 8 ही प्रेमिकाएं थीं। वे 8 वक्त भोजन करते थे। इसीलिए जन्माष्टमी के दिन उनकी अष्टयाम पूजा होना चाहिए। ब्रजमंडल के कई मंदिरों में तो उनकी अष्टयाम पूजा ही होती है।

अष्टयाम

वैष्णव मंदिरों में आठ प्रहर की सेवा-पूजा का विधान अष्टयाम कहा जाता है। वल्लभ सम्प्रदाय में 1.मंगला, 2.श्रृंगार, 3.ग्वाल, 4.राजभोग, 5.उत्थापन, 6.भोग, 7.संध्या-आरती तथा 8.शयन के नाम से ये कीर्तन-सेवाएं हैं। हालांकि कहते हैं कि यह नियम मध्यकाल में विकसित हुआ जिसका शास्त्र से कोई संबंध नहीं।

क्या है अष्ट प्रहर

दिन-रात मिलाकर 24 घंटे में आठ प्रहर होते हैं। औसतन एक प्रहर तीन घंटे या साढ़े सात घटी का होता है जिसमें दो मुहूर्त होते हैं। दिन के चार और रात के चार मिलाकर कुल आठ प्रहर। आठ प्रहर के नाम - दिन के चार प्रहर- 1.पूर्वान्ह, 2.मध्यान्ह, 3.अपरान्ह और 4.सायंकाल। रात के चार प्रहर- 5. प्रदोष, 6.निशिथ, 7.त्रियामा एवं 8.उषा।

श्रीकृष्ण भोग

भगवान श्रीकृष्ण को साग, कढ़ी और पूरी के अलावा प्रमुख रूप से 8 भोजन प्रिय है- 1.खीर, 2.सूजी का हलुआ या लड्डू, 3.सिवइयां, 4.पूरनपोळी, 5.मालपुआ 6.केसर भात, 7.केले सहित सभी मीठे फल और 8.कलाकंद

श्रीकृष्ण प्रसाद

श्रीकृष्ण के उपरोक्त भोग के अलावा उन्हें 1.माखन 2.मिश्री, 3.पंचामृत, 4.नारियल, 5.सुखे मेवे, 6.धनिया पिंजरी, 7.लड्डू और 8.केसर भात।

श्रीकृष्ण जगत गुरु : कोई कैसे भगवान बन जाता है?

विद्या और कला में अंतर होता है। विद्या दो प्रकार की होती है अपरा और अपरा विद्या। इसी के अंतर्गत कई प्रकार की विद्याएं होती हैं। इसी तरह कलाएं भी दो प्रकार की होती है। पहली सांसारिक कलाएं और दूसरी आध्यात्मिक कलाएं। यहां हम आध्यात्मिक कलाओं के आधार पर जानेंगे कि कोई व्यक्ति कैसे भगवना बन जाता है।

अध्यात्मिक कलाएं

अध्यात्मिक कलाएं मुख्यतः 16 हैं। उपनिषदों अनुसार 16 कलाओं से युक्त व्यक्ति ईश्वरतुल्य होता है या कहें कि स्वयं ईश्वर ही होता है। 16 कलाएं दरअसल बोध प्राप्त आत्मा की भिन्न-भिन्न स्थितियां हैं। बोध अर्थात चेतना, आत्मज्ञान या जागरण की अवस्था या होश का स्तर। जैसेप्राणी के अंतर में जो चेतन शक्ति है या प्रभु का तेजांश है उसी को कला कहते हैं। जिस प्राणी में जितनी चेतना शक्ति अभिव्यक्त हो रही है उतनी ही उसकी कलाएं मानी जाती हैं। इसीसे जड़ व चेतन का भेद होता है। बोध की अवस्था के आधार पर आत्मा के लिए प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक चन्द्रमा के प्रकाश की 15 अवस्थाएं ली गई हैं। अमावास्या अज्ञान का प्रतीक है तो पूर्णिमा पूर्ण ज्ञान का।

- पत्थर और पेड़ 1 से 2 कला के प्राणी हैं। उनमें भी आत्मा है। उन्हें सुख और दुख का आभास होता लेकिन उनमें बुद्धि सुप्त है। उन्हें भी अन्न और जल की आवश्यकता होती है।
- पशु और पक्षी में 2 से 4 कलाएं होती हैं क्योंकि वे बुद्धि का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- साधारण मानव में 5 कला की और सभ्य तथा संस्कृति युक्त समाज वाले मानव में 6 कला की अभिव्यक्ति होती है।
- जो मानव विशेष प्रतिभावाले विशिष्ठ पुरुष होते हैं उनमें भगवान के तेजांश की सात कलाएं अभिव्यक्त होती। तत्पश्चात 8 कलाओं से युक्त वह महामानव ऋषि, मुनि, संत और महापुरुष होते हैं जो इस धरती पर कभी-कभार दिखाई देते हैं।
- मनुष्य की देह 8 कलाओं से अधिक का तेज सहन नहीं कर सकती। 9 कला धारण करने के लिए दिव्य देह की आवश्यकता होती है। जैसे सप्तर्षिगण, मनु, देवता, प्रजापति, लोकपाल आदि।
- इसके बाद 10 और 10 से अधिक कलाओं की अभिव्यक्ति केवल भगवान के अवतारों में ही अभिव्यक्त होती है। जैसे वराह, नृसिंह, कूर्म, मत्स्य और वामन अवतार। उनको आवेशावतार भी कहते हैं। उनमें प्रायः 10 से 11 कलाओं का आविर्भाव होता है। परशुराम को भी भगवान का आवेशावतार कहा गया है।
- भगवान राम 12 कलाओं से तो भगवान श्रीकृष्ण सभी 16 कलाओं से युक्त हैं। यह चेतना का सर्वोच्च स्तर होता है।

श्रीकृष्ण जगत गुरु वंदेविष्णु जगतपते।

भगवान विष्णु के 8वें अवतार वसुदेव श्रीकृष्ण, द्वारिकाधीश, कन्हैया इत्यादि नामों से जाने जाने वाले के जन्म को पूरी दुनिया 'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी' के रूप में मनाती है। पुराने समय में प्रत्येक वर्ष भादो मास आते ही घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन की तैयारियां बड़े हर्षोल्लास से प्रारंभ हो जाती थीं। बाजार विभिन्न प्रकार के मिठाइयों व खिलौनों इत्यादि से सज जाते थे। ऐसा लगता था कि मानो हमारे घरों में ही कान्हा ने जन्म लिया हो।

30 वर्षों के बाद कृष्ण जन्माष्टमी पर बन रहा अद्भुत संयोग, कर लें कान्हा को प्रसन्न

भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उस वक्त रोहिणी नक्षत्र था। श्रीकृष्ण का जन्म रात्रि के 12 बजे हुए था। अब यह देखना होगा कि अष्टमी तिथि कब प्रारंभ होकर कब समाप्त हो रही है। इसके बीच रात्रि के 12 कब बज रहे हैं। आओ जानते हैं कि किस दिन बनेगा शुभ संयोग।

अष्टमी तिथि प्रारंभ

अष्टमी तिथि 06 सितंबर 2023 को दोपहर 03 बजकर 37 मिनट पर आरंभ हो रही है।

अष्टमी तिथि समाप्त

अष्टमी तिथि का समापन 07 सितंबर 2023 को शाम 04 बजकर 14 मिनट पर होगा।

रात्रि के 12 कब बजेंगे

इसका अर्थ यह है कि रात्रि के 12 तब बजेगे जबकि अंग्रेजी कैलेंडर के मान से 7 सितंबर की डेट प्रारंभ होगी।

स्मार्त संप्रदाय के लिए निशिता पूजा का समय - 06 सितंबर 2023 की रात्रि 12.02 एएम से 12.48 एएम, सितम्बर 07 तक।

वैष्णव और इस्कॉन संप्रदाय के लोगों की जन्माष्टमी

वैष्णव संप्रदाय को मानने वाले श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव उदयातिथि यानी 7 सितंबर को मनाएंगे।

निशिता पूजा का समय

7 सितंबर की रात्रि (8 सितंबर लग जाएगा) 12.02 एएम से 12.48 एएम तक।

पारण का समय- सितम्बर 08 सुबह 06.11 बजे के बाद।

6 सितंबर 2023 को बनेगा अद्भुत योग संयोग

रोहिणी नक्षत्र का संयोग इस पर्व को काफी खास बना रहा है, क्योंकि श्रीकृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र में ही हुआ था। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग निर्मित हो रहा है जो पूरे दिन रहेगा। इस दिन रवि योग प्रातः 06.10 से 09.20 तक रहेगा। इस दिन चंद्रमा वृषभ राशि में रहेगा।

30 वर्ष बाद बना योग

ऐसा योग संयोग 30 साल बाद बना है जबकि सर्वार्थ सिद्धि योग के दौरान चंद्रमा वृषभ राशि का तथा रोहिणी नक्षत्र होने से एक विशेष संयोग निर्मित हुआ है। यानी कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर मध्य रात्रि में रोहिणी नक्षत्र बन रहा है जिसके चलते सर्वार्थ सिद्धि योग निर्मित हो रहा है। रोहिणी चंद्रमा की पत्नी है और इस दिन चंद्रमा अपने उच्च अंश वृषभ राशि में विराजित होगा। ग्रहों की यह दशा पूजन अर्चन के योग से विशेष फलदायी बताई जा रही है। सर्वार्थ सिद्धि योग में की गई पूजन अर्चन भक्तों को विशेष फल देगी।

कृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप की पूजा से मिलते हैं 10 लाभ

कृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप की पूजा होती है। बाल रूप को कन्हा, कन्हैया, बालकृष्ण, बालमुकुंद, गोपाल कृष्ण, लड्डू गोपाल आदि नामों से जाना जाता है। लड्डू गोपाल के एक हाथ में लड्डू रहता है इसलिए उन्हें लड्डू गोपाल कहा जाता है। कृष्ण के इस स्वरूप की पूजा करने से मिलते हैं 10 तरह के लाभ।

- जिस भी घर में लड्डू गोपाल की मूर्ति है वह घर उन्हीं लड्डू गोपाल का होता है। अतः उनकी पूजा घर के मुख्य सदस्य के रूप में करने से घर की रक्षा होती है।
- लड्डू गोपाल की पूजा और देखभाल किसी बच्चे की देखभाल की तरह ही की जाती है। उन्हें समय पर स्नान कराना, नए वस्त्र पहनाना, चंदन लगाना, श्रृंगार करना, भोग लगाना और सुलाना। यह सभी कार्य करने से ही प्रभु की कृपा प्राप्त होती है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से मनोकामना पूर्ण होत है और व्यक्ति सुखी जीवन जीता है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से संतान की इच्छा पूर्ण होती है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से घर में सुख और समृद्धि बढ़ती रहती है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से घर में पॉजिटीविटी फैलती है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से आध्यात्मिकता का विकास होता है और मन मस्तिष्क हमेशा शांत बना रहता है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से मन में आत्मविश्वास बढ़ता है
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से व्यक्ति मनचाही सफलता प्राप्त करता है।
- लड्डू गोपाल की पूजा करने से घर में कभी भी रोग और शोक नहीं रहता है।

राशि अनुसार पहनाएं कान्हा को परिधान

श्री कृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव है। यह हर साल भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म इसी तिथि को रोहिणी नक्षत्र और वृष लग्न में हुआ था। यह पर्व देशभर में मनाया जाता है। इस साल जन्माष्टमी पर राशि के हिसाब से लगाएं भगवान श्रीकृष्ण को भोग

मेष राशि - इस राशि के जातकों को भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार लाल रंग के कपड़े से करने के बाद उन्हें माखन मिश्री का भोग लगाना चाहिए।

वृषभ राशि - जन्माष्टमी के दिन वृषभ राशि के जातकों को कान्हा को माखन का भोग लगाना चाहिए।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों को जन्माष्टमी के दिन श्रीकृष्ण भगवान का चंदन से तिलक करके दही अर्पण करना चाहिए।

कर्क राशि - इस राशि के जातकों को भगवान श्रीकृष्ण का सफेद वस्त्र से श्रृंगार करना चाहिए और फिर उन्हें दूध और केसर का भोग लगाना चाहिए।

सिंह राशि - जन्माष्टमी के दिन सिंह राशि के लोगों को कान्हा जी का श्रृंगार गुलाबी रंग के कपड़ों से करना चाहिए। इसके बाद अष्टगंध का तिलक लगाना चाहिए। प्रसाद में माखन-मिश्री चढ़ाएं।

कन्या राशि - कन्या राशि के लोग जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण को हरे रंग के वस्त्रों से सजाएं। इसके बाद उन्हें मावे का भोग लगाएं।

तुला राशि - तुला राशि के जातक भगवान श्रीकृष्ण को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनाएं और इसके बाद उन्हें घी का भोग लगाएं।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातक भगवान श्रीकृष्ण को जन्माष्टमी पर लाल वस्त्र पहनाएं और साथ ही उन्हें माखन या दही जरूर चढ़ाएं।

धनु राशि - धनु राशि वालों को भगवान श्रीकृष्ण को पीले परिधान पहनाने चाहिए। पीले रंग से बनी मिठाई जरूर चढ़ाएं।

मकर राशि - कान्हा जी का हल्के नीले रंग के वस्त्रों से श्रृंगार करना चाहिए और पूजा में मिश्री का भोग लगाना चाहिए।

कुंभ राशि - कुभ राशि के जातक जन्माष्टमी पूजा पर भगवान श्रीकृष्ण को गहरे नीले रंग का वस्त्र पहनाएं। फिर कान्हा को बालूशाही का भोग लगाएं।

मीन राशि - जन्माष्टमी पर मीन राशि के जातकों को भगवान श्रीकृष्ण को सुनहरे पीतांबरी वस्त्र और पीले ही रंग के कुंडल पहनाएं। फिर भोग में केसर और बर्फी चढ़ाएं।

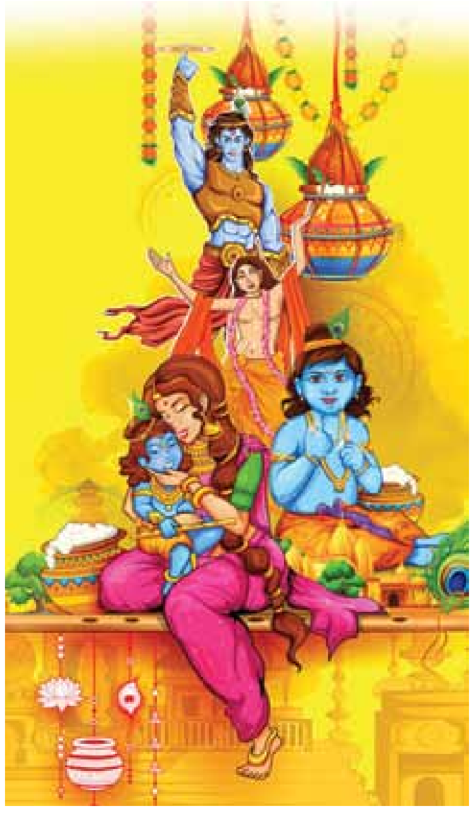

व्हाइट-बॉल सीरीज के समापन के बाद भारतीय टीम लंबे ब्रेक पर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के समापन के बाद भारतीय टीम लंबे ब्रेक पर है। श्रीलंका के खिलाफ भारत के आखिरी वनडे मैच और बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बीच 42 दिन का अंतर है। थोड़े ब्रेक का आनंद लेने के बाद स्टार भारतीय खिलाड़ी कुछ गंभीर काम पर वापस लौटने का लक्ष्य रखेंगे। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाडी केएल राहुल आगामी दुलीप ट्रॉफी और घरेलू टेस्ट सीजन की तैयारी के लिए नेट पर वापस आ गए हैं। क्रिकेटर अपने बल्लेबाजी और गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े घरेलू सीजन के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। केएल राहुल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया

है जिसमें उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। यह संभव है कि राहुल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हों। वीडियो में राहुल ने एक लॉफ्टेड स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिससे दर्शक उनकी क्लास देखकर दंग रह गए। राहुल ने इस साल बहुत अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है क्योंकि वह पहले टेस्ट मैच के बाद इंग्लैंड सीरीज से बाहर हो गए थे। वह अपनी क्वाड्रिसेप्स टेंडन चोट के लिए विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए लंदन भी गए, जिसके कारण वह श्रृंखला के बाकी मैच नहीं खेल पाए। वह आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए लौटे और 14 मैचों में 136.13 के स्ट्राइक-रेट से 4 अर्द्धशतकों के साथ 520 रन बनाने में सफल रहे। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में राहुल को शामिल नहीं किया। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान राहुल भारतीय टीम में लौटे। केएल राहुल का फॉर्म उनके घरेलू सत्र में भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने केवल पहले 2 मैच खेले और 31, 0 के स्कोर दर्ज किए और तीसरे वनडे में उनकी जगह ऋषभ पंत को शामिल किया गया। दुलीप ट्रॉफी में राहुल शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम ए का हिस्सा हैं जो 5 सितंबर से बेंगलुरु में अपने पहले मैच में टीम बी का सामना करेगी।

पैरालंपिकः अवनी अब पेरिस खेलों में भी अपने कारनामें दोहराने को तैयार

नई दिल्ली। 11 साल की उम्र में कार दुर्घटना के कारण कमर के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त होने के बाद व्हीलचेयर की मदद से चलने वाली पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हैं जिनकी सलाह पर उन्होंने निशानेबाजी में हाथ आजमाना शुरू कर दिया है। अवनी तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में एसएच1 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली पैरा खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में दस मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता था। पैरालंपिक निशानेबाजी स्पर्धा में देश की पहली स्वर्ण पदक विजेता अवनी अब पेरिस खेलों में अपने कारनामों को दोहराने के लिए तैयार है। अवनी अपने परिवार के कहने पर खेलों से जुड़ी और निशानेबाजी ने उन्हें

दुर्घटना से मिले आघात से उबरने में मदद किया। अवनी ने तीरंदाजी में अपना हाथ आजमाने के बाद 2015 में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान जयपुर के केंद्रीय विद्यालय नंबर तीन में निशानेबाजी का अभ्यास शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अवनी ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुर्घटना से पहले मैं किसी भी खेल में नहीं थी और उसके बाद भी मैं किसी भी खेल से जुड़ने के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रही थी। लेकिन मेरे माता-पिता हमेशा सोचते थे कि मुझे पढ़ाई के अलावा कुछ और भी करना चाहिए। दुर्घटना के दो साल बाद मैं अपने स्कूल में वापस गई। उन्होंने कहा कि उनके पास क्षेत्रीय खेल और राष्ट्रीय खेल का विकल्प था, इसलिए मेरे माता-पिता ने भी मुझे किसी खेल से जोड़ने के बारे में सोचा और फिर मैंने 2015 में अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान वहां तीरंदाजी और निशानेबाजी में हाथ आजमाया। उन्होंने कहा कि मुझे निशानेबाजी करना ज्यादा पसंद आया क्योंकि यह एक इनडोर गेम है, मैंने सोचा 'ठीक है, चलो शुरू करें। फिर मैंने प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर दिया, इसे पसंद करने लगी उसके बाद चीजें आगे बढ़ती गईं। अवनी ने कहा कि मैं प्रतियोगिता के दौरान चीजों को अभ्यास की तरह ही रखना पसंद करती हूं। अगर किसी मैच में कुछ होता है तो मैं प्रशिक्षण के दौरान इसे आजमाती हूं ताकि जब मैं किसी प्रतियोगिता में जाऊं तो मुझे कुछ नया महसूस ना हो। अवनी ने अपनी सफलता का श्रेय कोच चंद्र शेखर को भी दिया।

सचिन, धोनी ओर विराट से मिलना चाहती हैं मनु

चंडीगढ़। भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर की इच्छा भारतीय टीम के महान क्रिकेटरों सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली से मुलाकात करना है। मनु ने कहा है कि वह सचिन , धोनी और विराट के साथ एक दिन का समय बिताना चाहेगी। मनु इन तीनों के अलावा जमैका के दिग्गज एथलीट उसेन बोल्ट से भी मिलना चाहती है। मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं। मनु ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा , मैं अपने कुछ पसंदीदा खिलाड़ियों से मिलना चाहूंगी। उसेन बोल्ट उनमें से एक हैं। मैंने उनकी किताब कई बार पढ़ी है और मैं

उनके खेल सफर को भी जानती हूं। मैंने उनके कई साक्षात्कार देखे हैं। इसके बाद मैं भारतीय क्रिकेटरों में सचिन , धोनी और विराट से मिलना पसंद करूंगी। इनमें से किसी के साथ भी एक घंटा बिताना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी। मनु ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर इसी इवेंट की मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया था। इसी के साथ मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं।

सचिन ने मुंबई हाफ मैराथन को रवाना किया

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रविवार को यहां हुई मुंबई हाफ मैराथन के प्रतियोगियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सचिन ने प्रतियोगिता के स्तर और उसके आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा, यहां का माहौल बहुत ऊर्जावान और उत्साहवर्धक है। इसमें इस बार 20,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। पिछले साल की तुलना में इस बार महिला प्रतिभागियों की तादाद में 10 फीसदी की बढ़त आई है। उन्होंने कहा, इस बार दृष्टिबाधित प्रतिभागी भी शामिल हुए। प्रतियोगियों में 1000 से अधिक स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। इसे लिए भी एक दौड़ आयोजित की गयी थी। सचिन के हरी झंडी दिखाने से प्रतियोगी बेहद उत्साहित नजर आये। सचिन खेल से संन्यास के बाद से ही सभी प्रकार के खेलों को आगे बढ़ने में योगदान दे रहे हैं।

करोड़ों की प्रापर्टी, ऑस्ट्रेलिया में आलीशन घर, मंहगी गाड़ियों के मालिक हैं धवन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा है। धवन के पास कई प्रॉपर्टीज हैं। दिल्ली में उनके पास एक आलीशान घर है जिसकी कीमत 5 करोड़ रुपये है। इसके बाद कई महंगी गाडियां है। सबसे महंगी कार की कीमत 2.25 लाख रुपये है। धवन के पास हीरों से जड़ी एक घड़ी है, जिसकी कीमत 72 लाख रुपये है। धवन ने साल 2012 में आस्ट्रेलिया में रहने वाली आयशा मुखर्जी से शादी की थी। नौ साल बाद दोनों में तलाक हो गया। धवन का एक बेटा है, जिसका नाम जोरावर है। 2010 में धवन को भारत की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। साल 2011 में उन्होंने टी20 जबकि 2013 में टेस्ट क्रिकेट मे डेब्यू किया। शिखर धवन का नाम दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों में शुमार है। धवन की कुल संपत्ति लगभग 96 करोड़ रुपये है। उनकी आय का मुख्य स्त्रोत बीसीसीआई और आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट हैं। इसके अलावा, वे ब्रांड एंडोर्समेंट से भी अच्छी खासी कमाई करते हैं। बीसीसीआई ने धवन को ग्रेड-ए कैटेगरी के खिलाड़ियों में शामिल किया था, इसकारण उन्हें सालाना 5 करोड़

रुपये की आय होती थी। धवन को भारत के लिए खेले हर एक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये, वनडे मैच के लिए 6 लाख रुपये और टी20 मैच के लिए 3 लाख रुपये मैच फीस मिलती रही है। आईपीएल 2022 की नीलामी में, पंजाब किंग्स ने शिखर धवन को 8.25 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदा था। 2023 के आईपीएल में भी उन्हें इसी कीमत पर रिटेन किया गया था। धवन ने करोड़ों रुपये की प्रॉपर्टी में निवेश कर रखा है। उनके पास ऑस्ट्रेलिया में एक घर है। उन्होंने ये घर 730,000 डॉलर में 2015 में खरीदा था। फिलहाल घर में उनकी पूर्व पत्नी आयशा रहती हैं। दिल्ली में शिखर धवन के पास एक आलीशान घर है, जिसकी कीमत पांच करोड़ रुपये से ज़्यादा है।

व्यापार

फेड के मिनट्स और अध्यक्ष पॉवेल के वक्तव्य पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। वैश्विक बाजार में मजबूत आर्थिक आंकड़ों की वजह से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की संभावना कम होने से हुई लिवाली से पिछले सप्ताह करीब एक प्रतिशत तक चढ़े घरेलू बाजार की इस सप्ताह फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के जारी होने वाले मिनट्स और फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के बयान पर नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह भारतीय बाजार ने मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों की बदौलत दुनिया की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था में मंदी की संभावना कम होने से अपनी रिकवरी रैली को बनाए रखा। इसके अलावा इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम वार्ता से उत्पन्न सकारात्मक वैश्विक भावना और

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी तेजी में योगदान दिया। हालांकि, जापान में महंगाई के दबाव और येन की मजबूती ने अंत में बाजार की बढ़त को कम कर दिया। बीते सप्ताह के दौरान अमेरिकी बाजार पर निर्भर आईटी कंपनियों के शेयरों ने शुरुआती तेजी के बाद मुनाफावसूली के कारण मामूली प्रदर्शन किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों ने पिछले सप्ताह के नुकसान की पूरी तरह से भरपाई की ली जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ने दिग्गज कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन किया। बाजार अब फेडरल रिजर्व की ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के मिनट्स और फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के वक्तव्य का इंतजार कर रहा है ताकि ब्याज दरों में कटौती की पुष्टि हो सके। इस वर्ष सितंबर में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती की उम्मीद है। यदि फेड के मिनट्स और अध्यक्ष के वक्तव्य से यह पुष्टि होती है तो बाजार इसे निकट भविष्य में सकारात्मक रूप से स्वीकार करेगा। आगे की दिशा इस पर निर्भर करेगी कि केंद्रीय बैंक यह आशा बनाए रखते हैं कि सहज नीतियां जारी रहेंगी, जिससे भविष्य की नीतियों में और दर कटौतियों की संभावना को दिशा मिलेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्तहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.71 प्रतिशत उबलकर 74.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 2.48 प्रतिशत की तेजी लेकर 79.02 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.62 प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

टेस्ला को अब बीएमडब्लू और वोल्वो से मिल रही कडी टक्कर

नई दिल्ली। कार निर्माता दिग्गज कंपनी टेस्ला को अब बीएमडब्लू और वोल्वो जैसी यूरोपियाई मूल की कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। जाटो डायनामिक्स के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2024 में जर्मन कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने 14,869 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दर्ज कराई। वहीं इसी दौरान अमेरिकी कार निर्माता टेस्ला 14,561 इलेक्ट्रिक कारें ही बेच पाई। इस दौरान टेस्ला की बिक्री में 16प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, ईयर-टू-डेट बिक्री के मामले में टेस्ला अभी भी अन्य कंपनियों के आगे है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बीएमडब्ल्यू और वोल्वो जैसी कंपनियों के चलते टेसला का

मार्केट शेयर यूरोप में कम हुआ है। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो, यूरोप में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले महीने (जुलाई में) यूरोप में 1,39,300 नई इलेक्ट्रिक कारों को रजिस्टर किया गया, जो पिछले साल समान अवधि में बेचीं गई कारों से 6प्रतिशत कम है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में कमी की एक बड़ी वजह सब्सिडी में कटौती को बताया जा रहा है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में सब्सिडी में कटौती से इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भारी गिरावट देखी जा रही है। भारत में भी इलेक्ट्रिक कारों के भविष्य को लेकर जर्मन कार निर्माता काफी सकारात्मक हैं। ऑडी का कहना है कि साल 2030 तक उसकी बेची गई 100 कारों में 50प्रतिशत कारें इलेक्ट्रिक होंगी। मौजूदा समय में ऑडी की बिक्री में 3प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक कारों की है। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार लग्जरी सेगमेंट में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 6प्रतिशत है, जबकि मास मार्केट कारों की हिस्सेदारी केवल 2.5 प्रतिशत है। यह लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक अच्छा संकेत है। मौजूदा समय में ऑडी की लग्जरी ईवी पोर्टफोलियो में 1.15 करोड़ रुपये से लेकर 2 करोड़ रुपये तक की कारें हैं। कंपनी 1 करोड़ रुपये से नीचे की कारें नहीं बेच रही है।

मारुति ने दो कारों में ईएसपी को स्टैंडर्ड तौर पर शामिल किया

- अब डबल हो जाएगी दोनों कारों की सुरक्षा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी ने अपनी सस्ती कारों की सेफ्टी की और कदम बढ़ाते हुए अल्टो और एस-प्रेसो में एक बड़ा अपडेट दिया है। कार निर्माता ने अब इन दोनों कारो में इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी) को स्टैंडर्ड तौर पर शामिल कर लिया है। खास बात यह है कि नया फीचर जोड़ने के बाद भी कंपनी ने कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। एस-प्रेसो और ऑल्टो के10 ब्रांड के एचईएआरटीईसीटी प्लैटफ़ॉर्म पर आधारित एंट्री-लेवल किफ़ायती छोटी कारें हैं। इन वाहनों में डुअल फ्रंट एयरबैग, रिवर्स पार्किंग सेंसर, एबीएस के साथ ईबीडी, कोलैप्सिबल स्टीयरिंग कॉलम और इंजन इम्मोबिलाइज़र जैसे कुछ सेफ्टी फीटर्स मिल जाते हैं। ईएसपी का मतलब इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम होता है, जो वाहन की स्थिरता को बेहतर बनाने और दुर्घटनाओं से बचने में मदद करता है। ईएसपी फिसलन या चुनौतीपूर्ण सड़क स्थितियों में वाहन को फिसलने से रोकने के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस)

और ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम के साथ मिलकर काम करता है। इन कारों के पहले के मॉडल ने जीएनसीएपी क्रैश सेफ्टी टेस्ट में निराशाजनक स्कोर प्राप्त किया है। लेकिन नए सुरक्षा फीचर्स को पेश किया जाना अच्छा है। उम्मीद है कि अधिक सुरक्षा उपकरण, सुदृढ़ीकरण और नई तकनीक को जोड़ने से कारों को बेहतर सुरक्षा रेटिंग प्राप्त करने में मदद मिलेगी और खरीदारों को और भी सुरक्षित उत्पाद मिलेंगे। बता दें कि मारुति सुजुकी सेफ्टी के मामले में केवल अपनी प्रीमियम कारों पर ही नहीं बल्कि बजट कारों पर भी ध्यान दे रही है।

रायन बनी 2024 की सबसे कमाऊ तमिल फिल्म

साउथ सुपरस्टार धनुष ने अपनी एक्शन ड्रामा फिल्म रायन से बॉक्स ऑफिस पर धमाल कर दिया है. रायन बीती 26 जुलाई को रिलीज हुई थी. फिल्म रायन को खुद धनुष ने डायरेक्ट किया था. धनुष ने अपने करियर की यह दूसरी फिल्म डायरेक्ट की थी. तमिल फिल्म रायन ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. फिल्म रायन को बॉक्स ऑफिस पर 27 दिन हो चुके हैं और अभी भी कमाई जारी है. रायन की सफलता को देखते हुए फिल्म प्रोड्यूसर ने उन्हें एक्टर को एक नहीं बल्कि दो मोटे चेक दिए हैं. बता दें, रायन ऑस्कर लाइब्रेरी में भी शामिल हुई है. रायन की सक्सेस के बाद धनुष ने अपने फैंस को बिरयानी पार्टी भी थी. फिल्म मेकर्स (सन पिक्चर्स) कलानिधि मारन ने धनुष को फिल्म रायन की सफलता के लिए बधाई दी और फिर उन्हें एक्टर और डायरेक्टर के लिए दो अलग-अलग चेक सौंपे हैं. सन पिक्चर्स ने धनुष के साथ कलानिधि मारन की एक तस्वीर भी शेयर की है. इस तस्वीर में धनुष चेक लेते दिख रहे हैं. बता दें, इससे पहले कलानिधि मारन ने फिल्म जेलर की बड़ी सक्सेस के लिए धनुष के पूर्व ससुर रजनीकांत को लक्जरी कार गिफ्ट की थी. बता दें, रायन ने कमल हासन की मौजूदा साल में रिलीज हुई फिल्म इंडियन 2 की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. रायन ने इंडियन 2 की कमाई 81.31 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड 13 दिनों में तोड़ दिया था. वहीं, इंडियन 2 के साथ-साथ रायन ने विजय सेतुपति स्टारर फिल्म महाराजा की भी कमाई (72 करोड़ रुपये) को भी पीछे छोड़ दिया था. रायन साल 2024 की तमिल सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. रायन का भारत में नेट कलेक्शन 95 करोड़ रुपये है और वर्ल्डवाइड 155.86 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. अब रायन ओटीटी पर 30 अगस्त को रिलीज होने जा रही है.

ऐश्वर्या ने हैप्पी न्यू ईयर को छोडा था अभिषेक की वजह से

हाल ही में एक्ट्रेस ने खुद किया यह खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। साल 2014 में रिलीज हुई कॉमेडी एक्शन फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' बालीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को ऑफर हुई थी पर उन्होंने फिल्म को अभिषेक बच्चन की वजह से मना कर दिया था। क्या था वो कारण एक्ट्रेस ने खुद खुलासा किया था। अभिषेक बच्चन के साथ तो एक्ट्रेस ने कई फिल्में की है, तो फिर उन्होंने फराह खान के निर्देशन में बनी फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' को करने से इनकार क्यों

किया? इस सवाल का जवाब एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान दिया था। उन्होंने फिल्म को छोड़ने की वजह अभिषेक बच्चन को बताया था। उन्होंने क्या कहा था चलिए आपको बताते हैं... एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म के ऑफर के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था, 'हां मुझे फिल्म ऑफर हुई थी और इसमें काम करती तो यह एक मजेदार ट्रिप जैसा होता। काफी मजा आता, लेकिन यह मेरे और अभिषेक बच्चन के लिए काम नहीं करती। ऐसा इसलिए क्योंकि फिल्म में हमारी जोड़ी साथ नहीं होती।' ऐश्वर्या राय ने कहा था, 'फिल्म में शाहरुख के ऑपोजिट दीपिका पादुकोण हैं। फिल्म में एक ही फीमेल लीड है और अभिषेक के ऑपोजिट कोई नहीं तो मेरे और अभिषेक के लिए बहुत अजीब हो जाता कि मैं फिल्म में रहती और अभिषेक के भी फिल्म में रहते हुए मेरी जोड़ी किसी और के साथ बनती। इसलिए मैंने फिल्म की कहानी सुनने के बाद इसे रिजेक्ट कर दिया।' फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन के अलावा विवान शाह, सोनू सूद और बोमन ईरानी थे। फिल्म को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स तो नहीं मिला। लेकिन इस बाद भी मेकर्स ठीक-ठाक कमाई कर गए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या राय पिछली बार साल 2023 में आई 'पोन्नियिन सेलवन 2' में नजर आई थीं और तबसे कोई प्रोजेक्ट अनाउंस नहीं किया है। वह अब पिछले कई साल से सिर्फ सिलेक्टिव फिल्में ही कर रही हैं। पिछले दिनों ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन दोनों अपने रिश्ते में चल रही उथल पुथल की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में थे। लेकिन जूनियर बी ने इन अफवाहों को ब्रेक लगा दिया है।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का खेल खत्म

अब सिनेमाघरों में टिकना मुश्किल

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।50 करोड़ रुपये की लागत में बनी एक्शन से भरपूर इस फिल्म की दैनिक कमाई चंद दिनों में लाखों में सिमट गई है। टिकट खिड़की पर यह फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।फिल्म के लिए सिनेमाघरों में टिकना मुश्किल हो गया है। अब फिल्म की कमाई के आठवें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो बेहद निराशाजनक हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के आठवें दिन यानी पहले गुरुवार को 53 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.53 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी ने भी अहम भूमिका निभाई है। निखिल आडवाणी इस फिल्म के निर्देशक हैं।फिल्म की कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी इसके निर्माता हैं। वेदा की असफला के बाद जॉन फिल्म तेहरान के जरिए दर्शकों को मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान अरुण गोपलर ने संभाली है। फिल्म का निर्माण खुद जॉन ने किया है। रितेश शाह ने इस फिल्म की कहानी लिखी है।फिल्म में मानुषी छिल्लर और नीरू बाजवा जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है।तेहरान 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

फ्लोरल आउटफिट पहन एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने शेयर किया बोल्ड लुक

अदाएं ऐसी कि दिल हार गए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनक लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही फैंस के बीच वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस एक बार फिर अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस शरवरी वाघ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच छा जाती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से हैरत में पड़ गए हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एनिमल प्रिंट लुक में वनपीस ड्रेस पहना हुआ है। वो अपने इस लुक में बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। शरवरी वाघ की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आउटडोर फोटोशूट करवा रही हैं। फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, लाइट मेकअप लुक और साथ ही न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि इन फोटोज में भी आपको ऐसा ही देखने को मिल रहा हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है सो हॉट एंड गॉर्जियस। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- सिंपल एंड एलिगेंट।

सनी देओल की फिल्म एसडीजीएम से जुड़े रणदीप हुड्डा

अभिनेता ने यूं जताई खुशी

अभिनेता रणदीप हुड्डा आज यानी 20 अगस्त को अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, रणदीप के हाथ एक बड़ी फिल्म लग गई है। वह दिग्गज अभिनेता सनी देओल की फिल्म एसडीजीएम की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं।अब रणदीप ने सनी की फिल्म से जुडने पर अपना उत्साह साझा किया है। इसके अलावा फिल्म से उनकी पहली झलक भी सामने आ गई है। रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए पोस्ट में कहा, इस एक्शन फीस्ट- एसडीजीएम का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हूं। सनी देओल पाजी और पूरी टीम के साथ सेट पर जाने का इंतजार नहीं कर सकता। जैसा कि वादा किया गया था, ये एक मास फीस्ट होगा। सनी देओल ने भी इंस्टा स्टोरी के साथ रणदीप हुड्डा का स्वागत किया। इसके अलावा फिल्म के मेकर्स में शामिल गोपीचंद मालिनेनी ने भी एक्स पर तस्वीर पोस्ट की और रणदीप हुड्डा को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, वर्सेटाइल एक्टर रणदीप हुड्डा सर का स्वागत है। टीम एसडीजीएम की ओर से आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाइयां। सनी देओल ने इस साल 20 जून को एसडीजीएम की घोषणा की थी। इस फिल्म का डायरेक्शन साउथ के पॉपुलर डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी कर रहे हैं, जो वीरा सिम्हा रेड्डी और क्रैक जैसी तेलुगु फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एसडीजीएम की स्टार कास्ट में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के साथ रेजिना कैसंड्रा और सैयामी खेर शामिल हैं। एसडीजीएम का निर्माण नीवन यरनेनी, वाई रविशंकर और टीजी विश्व प्रसाद ने माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले कर रहे हैं। ऋषि पंजाबी सिनेमैटोग्राफर हैं और फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

मैं तुमसे आइसक्रीम से भी ज्यादा प्यार करती हूं: सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अनोखे अंदाज में अपने हसबैंड जहीर खान के प्रति प्यार का इजहार किया। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मिठाई की तस्वीर शेयर की और लिखा, मैं तुमसे आइसक्रीम से भी ज्यादा प्यार करती हूं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर किसी को तुम्हारे जैसे प्यारे व्यक्ति की जरूरत होती है, जिसके साथ हंसा जा सके, गले लगाया जा सके और जिसके साथ मिलकर अच्छे-बुरे फैसले

लिए जा सकें। अगर आपने अभी तक ध्यान नहीं दिया है, तो मुझे लगता है कि आप बहुत अच्छे हैं। हनी, ईमानदारी से कहूं तो, आप मुझे पूरा करते हैं। तस्वीर में अपने पति जहीर खान को टैग करते हुए उन्होंने लिखा, "यह सच है।" बता दें कि सोनाक्षी और उनके प्रेमी ज़हीर ने 23 जून को शादी की थी। इस शादी के दौरान उनके परिवार और करीबी दोस्त उनके साथ थे। शिल्पा शेट्टी के शानदार रेस्तरां बैस्टियन में उनके दोस्तों और करीबी लोगों के लिए एक शानदार फॉलो-अप पार्टी का भी आयोजन किया गया था। सोनाक्षी को आखिरी बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था। यह फिल्म उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के एक अभिशाप ग्रस्त गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित एक हॉरर कॉमेडी है। सोनाक्षी का इस फिल्म में डबल रोल है। वह अगली बार कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में नजर आएंगी। सोनाक्षी अर्जुन रामपाल, परेश रावल, सुहैल नैयर जैसे नामों के साथ अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लंदन और यूके के अन्य खूबसूरत स्थानों पर की गई है।

एनिड ब्लाइटन की सीक्रेट सेवन से एक्टर मानुषी छिल्लर को है खास लगाव

अभिनेत्री और मिस वर्ल्ड रहीं मानुषी छिल्लर एनिड ब्लाइटन की सीक्रेट सेवन को मीनिंगफुल गिफ्ट मानती हैं। छिल्लर ने इंस्टाग्राम में इसे साझा करते हुए लिखा कि इंग्लिश राइटर्स उनके बचपन का अभिन्न अंग रहे हैं। मानुषी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर किताब के साथ एक तस्वीर शेयर की। कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ यादें फिर से जीने लायक होती हैं, एनिड ब्लाइटन मेरे बचपन का एक बड़ा हिस्सा थीं, हाल ही में मुझे मिला सबसे सार्थक उपहार। बता दें कि किताब बच्चों के एक काल्पनिक समूह सीक्रेट सेवन की कहानी है। ये बाल जासूसों पर आधारित है। इसमें पीटर ग्रुप का मुखिया है और अन्य सदस्य पीटर की बहन जेनेट, पाम, बारबरा, जैक, कॉलिन और जॉर्ज हैं। मानुषी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। 22 अगस्त को ही मानुषी ने अपने कई मूड्स इंस्टाग्राम पर शेयर किए। बताया कि कैसे पूरे दिन का अंत उन्होंने पसंदीदा भोजन यानि मुंबई के भेलपुरी के साथ किया। मानुषी ने अपनी वैनिटी वैन में खीची गई मिरर सेल्फी भी शेयर की। उन्होंने लिखा, नकली चोट, कई मूड और इसे अपने पसंदीदा भोजन के साथ समाप्त करना। मानुषी ने अपनी करियर की शुरूआत चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित ऐतिहासिक ड्रामा सम्राट पृथ्वीराज से हिंदी सिनेमा में की। अक्षय कुमार ने इसमें पृथ्वीराज चौहान का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्हें विक्की कौशल अभिनीत द ग्रेट इंडियन फैमिली में देखा गया, जिसे विजय कृष्ण आचार्य ने निर्देशित किया था। दो साल बाद, उन्होंने वरुण तेज के साथ हिंदी-तेलुगु द्विभाषी एक्शन ड्रामा फिल्म ऑपरेशन वेलेंटाइन में अभिनय किया। उनका सबसे हालिया काम अली अब्बास ज़फ़र की साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म बड़े मियाँ छोटे मियाँ थी जिसमें अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, पृथ्वीराज सुकुमारन, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका में थे। मानुषी की अगली फिल्म एक्शन थ्रिलर तेहरान है जिसमें जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन अरुण गोपालन कर रहे हैं।